RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 161
दि. 10.10.2025,
शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

संक्षिप्त समाचार

इधर शांति समझौता हुआ उधर इजरायल ने फिर किया धमाका, दहल गया गाजा

गाजा में लगातार विस्फोटों की खबरें सामने आई हैं। ये विस्फोट तब हो रहे हैं जब इजराइल और हमास के बीच सीजफायर समझौते की घोषणा की गई थी। गाजा नागरिक सुरक्षा एजेंसी ने गुरुवार को बताया कि समझौते के ऐलान के तुरंत बाद कई हमले हुए। AFP की रिपोर्ट के अनुसार, एजेंसी के अधिकारी मोहम्मद अल-मुघयिर ने कहा कि "गाजा में प्रस्तावित सीजफायर समझौते की घोषणा के बाद से कई विस्फोटों की खबरें मिली हैं, खासतौर पर उत्तरी गाजा में।" उन्होंने बताया कि गाजा शहर में "कई तेज हवाई हमले" हुए हैं।

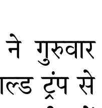

पीएम मोदी और ट्रंप की फोन पर बातचीत, गाजा शांति योजना पर दी बधाई

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बातचीत की। इस बातचीत में दोनों नेताओं ने गाजा शांति योजना की सफलता, द्विपक्षीय व्यापारिक रिश्तों और क्षेत्रीय स्थिरता पर चर्चा की। प्रधानमंत्री मोदी ने इस ऐतिहासिक समझौते को लेकर ट्रंप को बधाई दी और इसे 'पश्चिम एशिया में स्थायी शांति की दिशा में बड़ा कदम' बताया।

पीएम मोदी ने बातचीत के बाद अपने आधिकारिक एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल पर लिखा-

'अपने मित्र राष्ट्रपति ट्रंप से बात की और ऐतिहासिक गाजा शांति योजना की सफलता पर उन्हें शुभकामनाएं दीं। साथ ही व्यापार वार्ता में हुई अच्छी प्रगति की समीक्षा की। आने वाले हफ्तों में हम घनिष्ठ संपर्क में रहने पर सहमत हुए।'

इस बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने भारत-अमेरिका के बीच व्यापारिक सहयोग बढ़ाने और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्थिरता को मजबूत करने पर भी विचार साझा किए। यह चर्चा ऐसे समय में हुई है जब वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका लगातार मजबूत होती जा रही है और अमेरिका भी एशिया में संतुलन की नई रणनीति पर काम कर रहा है।

पश्चिम एशिया में दो साल से जारी विनाशकारी युद्ध के बाद गाजा में शांति की एक नई शुरूआत हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता में इस्राइल और हमास ने गाजा में लड़ाई रोकने का फैसला किया है। यह समझौता 'गाजा शांति योजना' के पहले चरण का हिस्सा है, जिसे अब तक का सबसे ठोस और उम्मीद जगाने वाला प्रयास माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस कदम की सराहना करते हुए कहा-

'हम राष्ट्रपति ट्रंप की शांति योजना के पहले चरण पर हुए समझौते का स्वागत करते हैं। यह प्रधानमंत्री नेतन्याहू के मजबूत नेतृत्व का भी प्रतिबिंब है। हमें उम्मीद है कि बंधकों की रिहाई और गाजा के लोगों को मानवीय सहायता पहुंचने से उन्हें राहत मिलेगी तथा स्थायी शांति का मार्ग प्रशस्त होगा।' मोदी ने इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की भूमिका की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह समझौता न केवल अमेरिका की मध्यस्थता की सफलता है, बल्कि नेतन्याहू के दृढ़ नेतृत्व की झलक भी देता है।

सीएम योगी से सम्मान पाकर खिले खिलाड़ियों के चेहरे, बेटियों ने कहा- 'अब देश के लिए जीतेंगे मेडल'

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने झांसी की धरती पर न केवल खेलों को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने का संकल्प दोहराया, बल्कि अपनी प्रेरणादायक उपस्थिति से युवा खिलाड़ियों के सपनों को पंख भी लगा दिए. विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश के 36वें क्षेत्रीय खेलकूद समारोह के समापन अवसर पर सीएम योगी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ियों को सम्मानित किया.

इन खिलाड़ियों के चेहरे पर चमकते आत्मविश्वास और आंखों में जगमगाते सपनों ने साबित कर दिया कि योगी सरकार का खेल को बढ़ावा देने की नीति न केवल बुनियादी ढांचा मजबूत कर रहा है, बल्कि युवा पीढ़ी को राष्ट्रीय पटल पर चमकाने का मंत्र भी दे रहा है.

रुद्रिका सिंह, तारा देवी इंटर कॉलेज की होनहार छात्रा हैं, जिन्हें इस साल खेलो इंडिया में मेडल जीतने के लिए सम्मानित किया गया. रुद्रिका ने उत्साह से कहा कि मैं बहुत खुश हूं. मुख्यमंत्री ने प्रदेश में खेल का ऐसा अच्छा माहौल बनाया है कि हर सपना साकार लगता है. आगे मैं और मेहनत करूंगी, जिससे देश के लिए खेलने का मौका मिले और मैं अपने देश व प्रदेश का नाम रोशन कर सकूं.

सीएम योगी के हाथों सम्मानित होकर खुश है छात्रा संध्या राजपूत

इसी समारोह में संध्या राजपूत, महाराजा अग्रसेन सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज की तेजतर्रार धाविका ने अपनी उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि मेरी 3000 मीटर और 1500 मीटर दौड़ की प्रतियोगिता में प्रथम स्थान आया. पिछले साल एसडीएफआई के अंडर 14 प्रतियोगिता में दूसरा स्थान हासिल किया. आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुझे सम्मानित किया, मैं बहुत खुश हूं. यहां खेल का अच्छा माहौल है, आगे देश के लिए मेडल जीतना चाहती हूं.

इजराइल -हमास सीजफायर के बाद गाजा में खुशी से रोने लगे लोग! पीएम मोदी ने किसको दिया 'मास्टरस्ट्रोक' का क्रेडिट?

(जीएनएस)।

दो साल पहले शुरू हुए युद्ध के बाद आखिरकार गुरुवार को शांति समझौते की खबर गाजा और इजरायल दोनों ही क्षेत्रों में पहुंची, जिसके बाद गाजा के लोग खुशी से झूम उठे। वहीं इजरायल में बंधकों के अपनों का लंबा इंतजार समाप्त होता दिखा।

दरअसल, हमास और इजराइल ने गाजा में लड़ाई को रोकने और बंधकों तथा कैदियों की अदला-बदली के लिए एक समझौते के 'पहले चरण' पर सहमति व्यक्त की है। यह समझौता ट्रम्प प्रशासन द्वारा आगे बढ़ाया गया था।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शांति योजना के पहले चरण पर हुए समझौते का गर्मजोशी से स्वागत किया है। उन्होंने इस समझौते को इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के मजबूत नेतृत्व का प्रतीक बताया। पीएम मोदी ने आगे आशा व्यक्त की कि बंधकों की रिहाई और गाजा के लोगों को बढ़ाई गई मानवीय सहायता से उन्हें राहत मिलेगी और यह क्षेत्र में स्थायी शांति का मार्ग प्रशस्त करेगा।

द गार्जियन की एक रिपोर्ट के मुताबिक, गाजा शहर में अपने शेल्टर से फोन पर इस खबर को सुनते ही एक विस्थापित फिलिस्तीनी अहमद शेहीबर ने खुशी से चिल्लाया, और कहा कि, 'यह एक बहुत बड़ा दिन है, बहुत बड़ी खुशी! गाजा पट्टी के खान यूनिस के निवासी अयमान सबर ने कहा कि, 'मुझे इस खबर पर विश्वास नहीं हो रहा है।' वहीं, अल-मवासी के तटीय क्षेत्र में लोग 'अल्लाहु अकबर' के नारे लगाते हुए हवा में गोलियां चलाकर जश्न मनाते दिखे।

शुरूआत में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रखी गई 21-सूत्रीय शांति योजना असंभावित लग रही थी, लेकिन मिस्र के रिसॉर्ट शहर शर्म अल शेख में अप्रत्यक्ष बातचीत के दिनों बाद गुरुवार को इजरायल और हमास ने इसके "प्रारंभिक चरण" पर सहमति व्यक्त कर दी।

रिंकू सिंह से मांगी रंगदारी, मांगने वाले को वेस्टइंडीज से घसीट लाई पुलिस

एशिया कप में जबरदस्त खेल दिखाने वाले रिंकू सिंह लेकर एक बड़ी खबर आई है। उनसे रंगदारी मांगने का मामला आया है।

युवा खिलाड़ी से 5 करोड़ रुपये मांगने का मामला सामने आया है। एजेंसियो ने इसे संज्ञान लेते हुए दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। मामला तब सामने आया जब नवीद नाम का शख्स 5 फरवरी 2025 को सुबह के समय सबसे पहले रिंकू को मैसेज लिखा कि थोड़ी आर्थिक मदद मांगी। 9 अप्रैल की रात को उसने दोबारा ₹5 करोड़ की मांग करते हुए समय व स्थान तय करने को कहा। पुनः प्रतिक्रिया न मिलने पर 20 अप्रैल को एक अंग्रेजी संदेश भेजा। जिसमें लिखा था जो धमकी का संकेत था।

मध्य प्रदेश में ओबीसी वर्ग को कब मिलेगा 27% आरक्षण? जानिए सुप्रीम कोर्ट का पूरा मामला, लोकेंद्र गुर्जर का बयान

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में 27% आरक्षण का मुद्दा वर्षों से चर्चा का केंद्र बना हुआ है। यह न सिर्फ एक कानूनी लड़ाई है, बल्कि सामाजिक न्याय और राजनीतिक रणनीति का भी प्रतीक बन चुका है। आज सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की सुनवाई हो रही है, जहां सरकार ने फिर से समय मांग लिया है।

8 अक्टूबर को नियमित सुनवाई होनी थी, लेकिन मध्य प्रदेश सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने समय मांग लिया। कोर्ट ने इसे स्वीकार कर आज (9 अक्टूबर) के लिए टाल दिया। जस्टिस पीएस नरसिम्हा की बेंच आज इस पर विचार करेगी।

लेकिन ओबीसी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष लोकेंद्र गुर्जर ने स्पष्ट कहा है कि जल्द ही यह आरक्षण लागू हो जाएगा। वहीं, कांग्रेस नेता उमंग सिंघार ने भाजपा सरकार पर ओबीसी विरोधी होने का आरोप लगाते हुए कहा कि वे अंतिम सांस तक इस हक की लड़ाई लड़ेंगे।

आइए, इस पूरे मामले को विस्तार से समझते हैं-कैसे शुरू हुआ यह विवाद, सुप्रीम कोर्ट की भूमिका क्या है, और भविष्य में क्या हो सकता है।

ओबीसी आरक्षण का मतलब: क्यों जरूरी है यह 27% कोटा?

सबसे पहले, आरक्षण को सरल शब्दों में समझें। भारत का संविधान सामाजिक न्याय के लिए पिछड़े वर्गों को आरक्षण देता है। अनुसूचित जाति (एससी) को 15%, अनुसूचित जनजाति (एसटी) को 7.5%, और ओबीसी को 27% आरक्षण मिलता है। मध्य प्रदेश जैसे राज्य में ओबीसी की आबादी लगभग 50% है, लेकिन उन्हें अभी सिर्फ 14% आरक्षण मिल रहा है। यह कमी क्यों? क्योंकि 2019 में कमलनाथ सरकार ने इसे 27% करने का कानून बनाया, लेकिन कोर्ट में चुनौती मिली।

आरक्षण का फायदा क्या है? सरकारी नौकरियों और कॉलेजों में सीटों का एक हिस्सा सुरक्षित होता है, ताकि पिछड़े वर्ग के युवा बिना भेदभाव के आगे बढ़ सकें। मध्य प्रदेश में लाखों ओबीसी युवा चयनित हो चुके हैं, लेकिन नियुक्ति पत्र नहीं मिले क्योंकि आरक्षण पर रोक है। इससे 9,000 से ज्यादा पद खाली पड़े हैं, और 80,000 से अधिक अभ्यर्थी प्रभावित हैं।

कई तो उम्र सीमा पार कर चुके हैं।

यह सिर्फ नौकरी की बात नहीं, बल्कि समानता और प्रतिनिधित्व का सवाल है।

पूरा मामला: 2019 से 2025 तक की टाइमलाइन, स्टेप बाय स्टेप

मार्च 2019: कानून बना, लेकिन विवाद शुरू

कमलनाथ सरकार ने 'मध्य प्रदेश लोक सेवा (अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़ा वर्गों के लिए आरक्षण) संशोधन अधिनियम, 2019' पास किया। ओबीसी कोटा 14% से बढ़ाकर 27% कर दिया। कुल आरक्षण 50% की सीमा पार हो गया (एससी 16%, एसटी 20%, ओबीसी 27%)। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के 'इंदिरा साहनी' फैसले के मुताबिक, 50% से ज्यादा आरक्षण असाधारण परिस्थितियों में ही संभव है। विपक्षी संगठनों ने हाईकोर्ट में चुनौती दी।

2019-2023: हाईकोर्ट की रोक, 87:13 फॉर्मूला

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने अतिरिक्त 13% आरक्षण पर स्टे (रोक) लगा दी। अगस्त 2023 में कोर्ट ने '87:13 फॉर्मूला' लागू किया-87% पदों पर पुराना आरक्षण चले, 13% होल्ड रहें। इससे भर्तियां रुकीं। 52 याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट ट्रांसफर हुईं।

जनवरी 2025: हाईकोर्ट का झटका

हाईकोर्ट ने 87:13 फॉर्मूले को वैध माना।

बसपा का पावर शो! कांशीराम की पुण्यतिथि पर मायावती की बड़ी रैली, बीजेपी पर लगाया सत्ता के दुरूपयोग का आरोप

लखनऊ आज पूरी तरह 'नीले रंग' में रंगा हुआ है। सड़कों से लेकर चौक-चौराहों तक हर ओर बसपा के झंडे, बैनर और पोस्टर लहरा रहे हैं। कांशीराम स्मारक स्थल को नीली रोशनी और फूलों से सजाया गया है। मौका है बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के संस्थापक कांशीराम की पुण्यतिथि का। इसी मौके पर बसपा सुप्रीमो मायावती आज एक बड़ी रैली कर रही हैं। दावा किया जा रहा है कि इस रैली में करीब पांच लाख से ज्यादा लोग जुटें हैं। चारों ओर से कार्यकताओं का लखनऊ पहुंच चुके है। राजधानी में बसपा समर्थकों का जोश देखते ही बन रहा है।

चुनाव से पहले तेजस्वी का हर परिवार में कम से कम 1 सरकारी नौकरी देने का वादा

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, वादों और आश्वासनों का दौर भी तेज हो गया है। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बनने के बाद सामाजिक न्याय के साथ ही हम रोजगार के अवसरों को विस्तार देंगे। उन्होंने कहा कि तेजस्वी जो कहता है वो करके दिखाता है। हम हर परिवार में एक सदस्य को सरकारी नौकरी जरूर देंगे।

बिहार विधानसभा चुनाव के ऐलान के बाद तेजस्वी यादव ने यह वादा किया है। इसका असर अब चुनावी समीकरणों पर किस हद तक पड़ता है, यह तो आने वाले समय में ही पता चलेगा। उन्होंने कहा कि हम कोई जुमलेबाजी नहीं कर रहे हैं,

सरकार बनते ही ऐसा करके दिखाएंगे। यह हमारा वादा है, क्योंकि हम रोजगार की अहमियत समझते हैं।

तेजस्वी यादव ने कहा, 'बिहार की जनता अब बदलाव चाहती है और हमें पता है कि उनकी मांग रोजगार की है।

सामाजिक न्याय के साथ ही हम आर्थिक न्याय करेंगे। बिहार की जनता जानती है कि तेजस्वी ने जो कहा है वो हमेशा किया है और जो कह रहा है वो करेगा। हम इसे कर सकते हैं, इसके लिए सिर्फ इच्छा शक्ति चाहिए।'

तेजस्वी ने इसी दौरान वादा किया कि सरकार बनने के तीन महीने के अंदर हर परिवार में कम से कम एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाएगी। बिहार विधानसभा चुनाव में रोजगार इस बार अहम मुद्दा बन गया है। तेजस्वी यादव ने नौकरियों का वादा किया है। इधर प्रशांत किशोर भी लगातार रोजगार और पलायन रोकने का दावा कर रहे हैं।

सीजेआई गवाई पर जूता फेंकने की घटना पर केजरीवाल ने जताई चिंता, कहा-दलितों को डराने की साजिश

(जीएनएस)।

देश की न्यायपालिका पर एक गंभीर हमला उस समय हुआ जब मुख्य न्यायाधीश (CJI) बी.आर. गवाई के सामने जूता फेंकने की घटना सामने आई। इस घटना देश की ज्यूडिसरी सिस्टम की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए थे।

इसी के साथ दलित राजनीति भी शुरू हो गई थी अब इस घटना पर पूर्व दिल्ली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गहरी चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक व्यक्ति की प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि पूरी न्यायपालिका और दलित समुदाय को डराने की साजिश का हिस्सा हो सकता है।

अरविंद केजरीवाल ने CJI गवाई की शांति बनाए रखने और घटना को नजरअंदाज करने की तारीफ की और इसे उनकी महानता की तरह देखा। लेकिन उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ऐसे कृत्यों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई, तो यह न्यायपालिका की स्वतंत्रता और कार्यकुशलता को कमजोर कर सकता है केजरीवाल ने अधिकारियों से आग्रह किया कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कड़ा कदम उठाया जाए।

क्या हुआ था घटना के दौरान?

71 वर्षीय अधिवक्ता राकेश किशोर ने दिल्ली हाईकोर्ट के कोर्ट नंबर 1 में CJI गवाई के सामने अपने जूते फेंके। यह घटना कोर्ट में मैशन घंटों के दौरान हुई। हालांकि, जूते सीधे उखक गवाई को नहीं लगे। सुरक्षा कर्मचारियों ने तत्परता दिखाई और किशोर को अदालत से बाहर निकाल दिया। बाद में, दिल्ली पुलिस ने आरोपी किशोर से पूछताछ की।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, किशोर ने यह कदम 16 सितंबर को उखक गवाई के एक मामले में दिए गए बयान से असंतुष्ट होने के कारण उठाया था। यह मामला मध्य प्रदेश के खजुराहो मंदिर में भगवान विष्णु की मूर्ति की पुनर्स्थापना से संबंधित था।

मोहम्मद शमी ने टीम से बाहर करने पर तोड़ी चुप्पी, रोहित की जगह गिल के कप्तानी का किया स्वागत

भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी पिछले लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर हैं। उन्होंने आखिरी बार 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के लिए खेला था। इसके बाद से वह टीम से बाहर चल रहे हैं। हालांकि शमी ने आईपीएल में हिस्सा लिया और घरेलू क्रिकेट में बंगाल के लिए लगातार खेलते रहे हैं, फिर भी बीसीसीआई चयनकताओं ने उन्हें नजरअंदाज किया है। ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए घोषित वनडे और टी20 टीम में भी शमी को शामिल नहीं किया गया है। यह दौरा 19 अक्टूबर से शुरू हो रहा है। इस मामले पर शमी ने पहली बार अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा, "मैं पूरी तरह फिट हूं और लगातार खेल भी रहा हूं, फिर भी मुझे नहीं चुना गया।

गरवी गुजरात
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2002

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
गरवी गुजरात हिंदी चेनल देखिये

सम्पादकीय

वैश्विक स्थिरता और आर्थिक प्रगति के महत्वपूर्ण स्तंभ ब्रिटेन व भारत

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केयर स्टार्मर ने भारत यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से बृहस्पतिवार को मुलाकात की। मुलाकात के बाद दोनों नेताओं ने एक-दूसरे के साथ संबंधों की जरूरतों पर बल दिया और एकदूसरे के साथ भरोसे पर टिकी साझेदारी को स्वाभाविक बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों देशों के बीच बढ़ते संबंधों को वैश्विक स्थिरता और आर्थिक प्रगति के महत्वपूर्ण स्तंभ बताते हुए वैश्विक अस्थिरता के दौर में महत्वपूर्ण आधार बताया। प्रधानमंत्री मोदी के जोश और ब्रिटेन की दक्षता की सराहना करते हुए दोनों के तालमेल को अद्वितीय बताया। वहीं ब्रिटेन के प्रधानमंत्री स्टार्मर ने अपनी टिप्पणी में भारत और ब्रिटेन के संबंधों को खास बताते हुए भारत की विकास गाथा को उल्लेखनीय बताया।

दरअसल प्रधानमंत्री स्टार्मर ऐसे वक्त भारत आए हैं जब अमेरिका ने जानबूझकर नई दिल्ली से पंगा लेने के लिए प्रतिदिन वुछ न वुछ खुराफाती फरमान जारी करता है और उनके अव्यावहारिक बयानों के बाद व्हाइट हाउस के उनके सहयोगी भी भारत के खिलाफ जहर उगलने लगते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी और स्टार्मर अपनी दोस्ती को साझेदारी भरोसे पर टिकी होने की बात कर रहे हैं। सच यही है कि ब्रिटेन और यूरोपियन यूनियन इस वक्त राष्ट्रपति ट्रंप टैरिफ मुद्दे पर दादागिरी से त्रस्त हैं। राष्ट्रपति ट्रंप इस बात की परवाह नहीं करते कि अमेरिका का कौन पुराना और विश्वस्त मित्र हैं या फिर दो देशों के बीच संबंधों को निभाने के लिए अल्पकालिक लाभ के लिए मित्र राष्ट्र को असहज दीर्घकालिक हितों की परवाह नहीं करते।

बहरहाल भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता करके मौजूदा दोनों सरकारों ने एक-दूसरे की चिन्ता को न सिर्प खत्म कर दिया बल्कि अमेरिका जैसे उन देशों को स्पष्ट संदेश दे दिया है कि ठान लें तो वुछ भी संभव है। जिस तरह भारत और ब्रिटेन सभी क्षेत्रों में अपने संबंधों को महत्व देने के उद्देश्य से एक-दूसरे की भावनाओं और उनके हितों की चिन्ता करके आगे बढ़ सकते हैं ठीक उसी प्रकार राष्ट्रपति ट्रंप जैसे नेता लगभग ढाई दशक की कोशिश के बाद बने अच्छे संबंधों को निजी स्वार्थ के लिए चौपट करने में किसी तरह का संकोच नहीं किया। प्रधानमंत्री स्टार्मर ने भारत के साथ संबंधों को सुदृढ़ करने के लिए जितने भी संभव प्रयास हो सकते हैं, वह सब वुछ कर रहे हैं किन्तु वुछ सिख उग्रावादी संगठन जो ब्रिटेन स्थित भारतीय उच्चायोग पर हमले करते रहते हैं तथा खालिस्तानी आंदोलन की आड़ में भारत को बदनाम करने का दुःसाहस करते हैं, उन्हें इस बात का एहसास कराना चाहिए कि भारत ब्रिटेन का सदाबहार मित्र है, इसलिए ब्रिटेन की धरती से ऐसा वुछ भी नहीं होना चाहिए जिससे कि मित्र राष्ट्र भारत की छवि पर प्रभाव पड़े। हैरानी की बात है कि ब्रिटेन एक संसदीय लोकतंत्र है और उसकी भारत से समरसता भी है किन्तु कभी-कभी ऐसा होता है कि हुड़दंग ब्रिगेड को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की आड़ में उन्हें शैतानी करने का अवसर मिल जाता है। कहने का मतलब है कि यदि ब्रिटेन ने लोकतंत्र न होता तो खालिस्तानियों को ऐसी हरकतें करने का अवसर न मिलता। लब्बोलुआब यह है कि यदि दोनों देशों के बीच साझेदारी में भरोसा बरकरार रहेगा तो निति रूप से दोनों देशों के बीच सहयोग की ऊर्जा से छोटे-मोटे विवाद स्वतः समय के साथ घिसपिट कर खत्म हो जाएंगे और दूसरे देशों के लिए दोनों देशों की मैत्री मिसाल बन सकती है।

डोनाल्ड ट्रंप को नहीं मिलेगा नोबल शांति पुरस्कार', किसने फेरा अरमानों पर पानी और क्या बताई वजह?

(जीएनएस)।

'डोनाल्ड ट्रंप को इस बार नोबल प्राइज नहीं मिलेगा।' ये दावा हम नहीं बल्कि कुछ विशेषज्ञ कर रहे हैं। दरअसल अमेरिकी राष्ट्रपति ऊङ्कल्लं ि ळ१४स्र का नोबेल शांति पुरस्कार जीतने की कोशिश इस साल फिर से चर्चा का विषय बन गया है। हर साल यह अनुमान लगाया जाता है कि यह प्रतिष्ठित पुरस्कार किसे मिलेगा। लेकिन इस बार मामला इसलिए दिलचस्प बन गया है क्योंकि इसे पाने की तलब पाले हुए अमेरिका राष्ट्रपति ऊट-पटांग दावे कर रहे हैं। उनका नाम भी उस सूची में शामिल है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि उनके जीतने की संभावना बहुत कम है।

किस आधार पर मिलता है नोबेल?

नॉर्वे की नोबेल समिति आमतौर पर शांति की स्थिरता, अंतरराष्ट्रीय भाईचारे और संस्थागत सहयोग पर ध्यान केंद्रित करती है। समिति उन व्यक्तियों या संगठनों को इस पुरस्कार से नवाजा जाता है है, जिन्होंने लंबे समय तक शांति को बढ़ावा देने के लिए ठोस प्रयास किए हों। विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप का रिकॉर्ड इस दृष्टिकोण से कमजोर है, क्योंकि उन्होंने कई बार बहुपक्षीय संस्थाओं को नजरअंदाज किया और जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चिंताओं को गंभीरता से नहीं लिया।

ट्रंप की खुद की उम्मीदें

ट्रंप लंबे समय से नोबेल पुरस्कार की चर्चा में बने रहना चाहते हैं। उन्होंने हाल ही में संयुक्त राष्ट्र में कहा था, "हर कोई कहता है कि मुझे नोबेल शांति पुरस्कार मिलना चाहिए।" हालांकि, नोबेल पुरस्कार के लिए कोई भी व्यक्ति खुद को नामांकित नहीं कर सकता। इसके बावजूद ट्रंप के समर्थक और कुछ अमेरिकी सांसद लगातार उनके नाम की सिफारिश करते रहे हैं। ये बात भी जगजाहिर की ट्रंप दूसरों पर दबाव डालकर या लालच देकर उनको ये सम्मान दिलवाने की वकालत करने के लिए भी कह रहे हैं। उदाहरण के लिए पाकिस्तान।

फिर क्यों हो रही चर्चा?

ट्रंप को 2018 से लेकर अब तक कई बार नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित किया जा चुका है। अमेरिकी प्रतिनिधि क्लाउडिया टेनी ने दिसंबर में फिर से उनका नाम आगे बढ़ाया था, यह कहते हुए कि ट्रंप ने अब्राहम समझौते के जरिए 2020 में इजरायल और कई अरब देशों के बीच संबंध सामान्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि नोबेल समिति की बैठक में उनके

नाम पर वास्तव में विचार किया गया या नहीं।

क्यों रेस के घोड़े नहीं हैं ट्रंप?

इस साल इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और पाकिस्तान सरकार द्वारा किया गया ट्रंप का नामांकन समय सीमा के बाद आया, इसलिए उसे इस साल के लिए नहीं माना गया। ट्रंप ने दावा किया है कि उन्होंने अपने कार्यकाल में "सात युद्ध समाप्त किए" और अब "आठवें युद्ध" यानी इजरायल-हमास संघर्ष को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर दोनों पक्ष उनकी शांति योजना पर सहमत हो जाते हैं, तो गाजा में युद्ध समाप्त हो सकता है।

विशेषज्ञों ने उतारा नोबेल का भूत

नारेबाजी से फर्क पड़ता है क्या?

गुरुवार को इजरायल के तेल अवीव में बंधक परिवारों और उनके समर्थकों ने "ट्रंप को नोबेल पुरस्कार दो" के नारे लगाए। यह समर्थन उनके प्रयासों को लेकर जनता के उत्साह को दशार्ता है। हालांकि, नोबेल समिति आमतौर पर लंबी अवधि के शांति प्रयासों को प्राथमिकता देती है, न कि किसी एक त्वरित समझौते को।

हेनरी जैक्सन सोसाइटी के इतिहासकार थियो जेनौ का कहना है कि ट्रंप के प्रयास अभी तक दीर्घकालिक शांति के रूप में स्थापित नहीं हुए हैं। उन्होंने कहा, "अल्पावधि में लड़ाई रोकने और संघर्ष की जड़ें खत्म करने में बड़ा अंतर होता है।" जेनौ ने यह भी कहा कि ट्रंप का जलवायु परिवर्तन पर नकारात्मक रुख उन्हें समिति की नजर में कमजोर बनाता है, क्योंकि जलवायु परिवर्तन अब दुनिया की सबसे बड़ी शांति चुनौतियों में से एक है।

ओबामा की कोशिशें और ट्रंप की हवा-बाजी

नोबेल समिति को 2009 में भी आलोचना झेलनी पड़ी थी जब उसने तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा को उनके पहले कार्यकाल के केवल नौ महीने बाद यह पुरस्कार दे दिया था। उस समय कई लोगों ने कहा था कि ओबामा को पुरस्कार के योग्य काम करने का पर्याप्त समय नहीं मिला था। इसी कारण अब समिति किसी भी राजनीतिक दबाव में आने से बचना चाहती है।

राजनीतिक दबाव का कितना असर?

नीना ग्रेगर, जो ओस्लो शांति अनुसंधान संस्थान की निदेशक हैं, का कहना है कि ट्रंप का लगातार नोबेल की चर्चा में रहना उनके खिलाफ जा सकता है। उन्होंने कहा कि समिति ऐसे व्यक्ति को पुरस्कृत नहीं करना चाहेगी, जो खुद पर राजनीतिक दबाव बनाकर पुरस्कार पाने की कोशिश कर रहा हो। उनके अनुसार, ट्रंप के शांति पुरस्कार जीतने की संभावना "बहुत कम" है, क्योंकि उनकी बयानबाजी और नीतियां किसी शांतिपूर्ण दृष्टिकोण की झलक नहीं देतीं।

नोबेल की घोषणा और ट्रंप ने टपकाई लार!

इस हफ्ते नोबेल पुरस्कारों की घोषणा शुरू हो चुकी है। सोमवार को चिकित्सा पुरस्कार, मंगलवार को भौतिकी, बुधवार को रसायन विज्ञान, और गुरुवार को साहित्य पुरस्कार घोषित किए गए। अब सोमवार को अर्थशास्त्र पुरस्कार का ऐलान होगा। इसी क्रम में यह देखा जाएगा कि इस बार का नोबेल शांति पुरस्कार किसे मिलता है - क्या वाकई ट्रंप का नाम इस प्रतिष्ठित सूची में शामिल होता है या नहीं।

जुबीन गर्ग मौत केस में नया मोड़, बॉडीगाड्र्स के बैंक अकाउंट में करोड़ों का लेन-देन, नई साजिश का होगा पदार्फाश?

असम के फेमस गायक जुबीन गर्ग की रहस्यमयी मौत के मामले में हर दिन नए खुलासे हो रहे हैं। हाल ही में असम पुलिस की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) ने सिंगर के चचेरे भाई संदीपन गर्ग को गिरफ्तार किया है।

जुबीन गर्ग मौत केस में नया मोड़

वहीं अब जांच में बड़े वित्तीय लेन-देन का मामला भी सामने आया है। एसआईटी की रिपोर्ट के अनुसार, जुबीन गर्ग के दो निजी बॉडीगाड्र्स के बैंक खातों में करीब एक करोड़ रुपये के संदिग्ध ट्रांजैक्शन हुए हैं, जिससे केस में साजिश का शक और गहराता जा रहा है।

बॉडीगाड्र्स के अकाउंट्स में गए एक करोड़ रुपये

-एसआईटी को जांच के दौरान पता चला है कि जुबीन गर्ग के दो पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर्स (PSO) के बैंक खातों में भारी भरकम रकम का लेन-देन हुआ है। इन ट्रांजैक्शन्स की प्रकृति संदिग्ध मानी जा रही है।

-माना जा रहा है कि ये बड़ी रकम किसी गहरी साजिश या छिपे हुए फाइनेंशियल एंगल से जुड़ी हो सकती है। इसी आधार पर एसआईटी अब मनी ट्रेल और संभावित षड्यंत्र की दिशा में अपनी जांच आगे बढ़ा रही है।

असम के सीएम ने मांगी ईडी और इनकम टैक्स से जांच

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रवर्तन निदेशालय (एऊ) और इनकम टैक्स विभाग से फाइनेंशियल पहलुओं की जांच करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा है- इस नए खुलासे को केंद्रीय एजेंसियां गंभीरता से लें और सच्चाई तक पहुंचने में हमारी मदद करें।

समन भेजे गए 8 लोगों में से सिर्फ एक ने दिया जवाब

एसआईटी ने जुबीन गर्ग की मौत के वक्त यॉट पर मौजूद 8 लोगों को समन भेजा था और सभी को गत 6 अक्टूबर 2025 तक पेश होने का निर्देश दिया था। वहीं रिपोर्ट के मुताबिक केवल एक व्यक्ति, रूपकमल कलिता ने समन का जवाब दिया जबकि बाकी 7 लोग अब तक जांच में शामिल नहीं हुए हैं।

जुबीन गर्ग की पत्नी गरिमा ने कही ऐसी बात

-फिलहाल जुबीन गर्ग की पत्नी गरिमा सैकिया ने कहा है- मैं अभी भी विश्वास बनाए हुए हूं। इस मामले में 5 से 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, लेकिन उन्होंने अभी तक सच नहीं बोला है। मैं बहुत धैर्य से इंतजार कर रही हूं। लोग जांच टीम और न्यायिक प्रणाली के साथ सहयोग कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि सच्चाई जल्द ही सामने आएगी।

-पत्नी गरिमा सैकिया ने आगे कहा है- जुबीन गर्ग की मौत को 21 दिन बीत चुके हैं, जो लोग चश्मदीद गवाह थे उन्हें सामने आना चाहिए। हमने अपना आइकन, अपनी धड़कन खो दी है। इस मामले में चीजों का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए।

यॉट पर उस दिन क्या हुआ था?

-रूपकमल कलिता जो घटना के समय यॉट पर मौजूद थे, ने एसआईटी को बताया है कि गत 19 सितंबर 2025 को समंदर जाते समय यॉट खतरनाक तरीके से डगमगाने लगी थी। उनके अनुसार, यॉट सिंगर के मैनेजर सिद्धार्थ सरमा के नियंत्रण में थी। उन्होंने बताया कि मैनेजर ने यॉट पर ड्रिंक की व्यवस्था भी खुद की थी।

-इसके अलावा जुबीन गर्ग के बैंडमेट शेखर ज्योति गोस्वामी ने भी पुलिस को चौंकाने वाला बयान दिया है। उनके अनुसार जुबीन की मौत डूबने से नहीं, बल्कि जहर देने से हुई। उन्होंने दावा किया है कि जब जुबीन को सांस लेने में दिक्कत होने लगी और वो पानी में डूबने लगे, तब उनके मैनेजर सिद्धार्थ सरमा चिल्ला रहे थे- जाबो दे, जाबो दे (यानी जाने दो, जाने दो)।

जुबीन गर्ग के मैनेजर सिद्धार्थ सरमा पर लगा गंभीर आरोप

-बैंडमेट शेखर ज्योति गोस्वामी के अनुसार जुबीन गर्ग एक ट्रेंड स्विमर थे। वो ऐसे पानी में नहीं डूब सकते थे। उन्होंने बयान में कहा है- मुझे लगता है कि सिंगर जुबीन गर्ग के मैनेजर सिद्धार्थ सरमा और फेस्ट ऑर्गनाइजर श्यामकानु महंत ने उन्हें जहर दिया और सिंगापुर को इसलिए चुना ताकि इस साजिश को छिपाया जा सके।

-आपको बता दें कि अब तक असम पुलिस ने सिंगर की मौत के मामले में मैनेजर सिद्धार्थ सरमा, श्यामकनु महंत (फेस्ट ऑर्गनाइजर), अमृतप्रभा महंत (को-सिंगर) और शेखर ज्योति गोस्वामी (बैंडमेट) को गिरफ्तार किया है।

जुबीन गर्ग के चचेरे भाई हुए गिरफ्तार

इनके अलावा हाल ही में जुबीन गर्ग के चचेरे भाई संदीपन गर्ग, जो असम पुलिस में डीएसपी हैं, को भी गिरफ्तार किया गया है। जानकारी के अनुसार उन्हें 5 दिनों तक पूछताछ के बाद हिरासत में लिया गया है। गत 8 अक्टूबर 2025 को उन्हें अदालत में पेश करने के बाद 14 दिन की पुलिस रिमांड में भेज दिया गया है।

सिंगापुर ट्रिप के दौरान जुबीन गर्ग की रहस्यमयी मौत

जानकारी के अनुसार 19 सितंबर 2025 को जुबीन गर्ग सिंगापुर में थे, जहां वह 20 सितंबर 2025 को होने वाले नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल में परफॉर्म करने वाले थे। शुरूआत में कहा गया था कि 19 सितंबर 2025 को सिंगर की मौत स्कूबा डाइविंग के दौरान हुए हादसे में हुई, लेकिन अब जांच में सामने आ रहा है कि ये एक सुनियोजित साजिश भी हो सकती है।

'मैं हर दिन रोती थी, करोड़ों का कर्जा हो गया था', दिग्गज खिलाड़ी की पत्नी का हैरान करने वाला खुलासा

(जीएनएस)।

फुटबॉल के दिग्गज डेविड बेकहम और उनकी पत्नी, फैशन डिजाइनर विक्टोरिया बेकहम ने हाल ही में अपनी नेटफ्लिक्स डॉक्यूमेंट्री में एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि विक्टोरिया के महंगे फैशन ब्रांड 'विक्टोरिया बेकहम' के कारण उनके विवाह पर बहुत गहरा तनाव पड़ा था। बाहर से यह बिजनेस सफल दिखता था, लेकिन असल में यह लगातार पैसा गंवा रहा था और बेकहम दंपत्ति इसे संभाल नहीं पा रहे थे। उन्होंने स्वीकार किया कि उनका ब्रांड करोड़ों डॉलर के कर्ज में डूब चुका था।

बिजनेस की चुनौतियों पर खुलकर की बात

विक्टोरिया ने पहली बार इस बिजनेस की चुनौतियों के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि यह बिजनेस मेरे लिए सब कुछ है, यह पूरी तरह से मैं हूं। लेकिन यह एक कठिन यात्रा रही है। मैंने लगभग सब

कुछ खो दिया। और वह एक अंधेरा समय था। उन्होंने बताया कि वह हर दिन काम पर जाने से पहले रोती थीं क्योंकि वह खुद को "फायर फाइटर" जैसा महसूस करती थीं। उन्होंने कहा कि उनका बिजनेस करोड़ों पाउंड के घाटे में था। विक्टोरिया को डेविड से बिजनेस के बारे में बात करनी पड़ती थी क्योंकि वह इसमें भागीदार थे, और उन्हें यह करना बिल्कुल नापसंद था।

डेविड बेकहम का टूटा दिल

डेविड बेकहम ने स्वीकार किया कि विक्टोरिया का उनसे पैसे मांगना उनके लिए दिल तोड़ने वाला था। उन्होंने याद किया कि जब वे मिले थे, तब विक्टोरिया उनसे कहीं ज्यादा अमीर थीं और उन्होंने ही उनका पहला घर खरीदा था। डेविड ने कहा कि उनके लिए मेरे पास आकर यह कहना, 'हमें और पैसे चाहिए, बिजनेस को और पैसों की जरूरत है', यह हम दोनों के लिए मुश्किल था। मेरे पास लगातार इसे जारी रखने के लिए पैसा नहीं था। मैंने आखिर में कहा कि यह ऐसे जारी नहीं रह सकता।

पौधों पर खर्च होते थे लाखों रुपये

बिजनेस में मोड़ तब आया जब डेविड बेलहसेन को एक पार्टनर के तौर पर लाया गया। उन्होंने लागत में कटौती के उपाय किए। बेलहसेन ने बताया कि बिजनेस के आसपास ऐसे लोग थे जो उन्हें पैसा गंवाने से नहीं रोक रहे थे। उन्होंने एक चौंकाने वाला उदाहरण देकर बताया कि ऑफिस के पौधों पर हर साल ख70,000 खर्च होते थे, और उन्हें पानी देने वाले को ख15,000 अलग से दिए जाते थे। यह खर्च लगभग 85,000 पाउंड (85 लाख रुपये से अधिक) था।

सलमान खान के बाद अभिनव कश्यप के निशाने में आए शाहरुख खान, डायरेक्टर बोले- 'इनकी कम्युनिटी सिर्फ लेना'

(जीएनएस)।

'दबंग' फेम अभिनव कश्यप इन दिनों अपने बयानों की वजह से चर्चा में रहते हैं। बीते दिनों उन्होंने सलमान खान और उनके परिवार को निशाना बनाया था। लेकिन अब उनके नए बयान ने एक बार फिर इंडस्ट्री में भूचाल ला दिया है। इस बार उनके निशाने पर सलमान नहीं, बल्कि सुपरस्टार शाहरुख खान हैं।

अब नए बयान में कश्यप ने शाहरुख को लेकर एक विवादास्पद बयान दिया है। जिसमें उन्होंने उन्हें भारत छोड़कर दुबई में बसने की सलाह दी है। क्या है पूरा मामला हम आपको इस रिपोर्ट आपको समझाते हैं।

मन्नत बनाम जन्नतः नामों को लेकर कटाक्ष

हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान, अभिनव कश्यप ने शाहरुख के मुंबई स्थित बंगले 'मन्नत' और दुबई स्थित घर 'जन्नत' पर तंज कसते हुए कहा, "अगर जन्नत दुबई में है तो शाहरुख को वहीं रहना चाहिए। फिर मन्नत भारत में क्यों रखा है?" उन्होंने शाहरुख की जिंदगी की "भौतिक महत्वाकांक्षाओं" पर भी सवाल उठाए। कश्यप के अनुसार, शाहरुख अपने बंगले में दो और फ्लोर जोड़ रहे हैं, जो उनकी बढ़ती डिमांड और ख्वाहिशों को दशार्ता है।

"इनकी कम्युनिटी सिर्फ लेना जानती है"

शाहरुख खान की पृष्ठभूमि और उनकी सामाजिक भागीदारी पर टिप्पणी करते हुए अभिनव ने कहा, "इनकी कम्युनिटी सिर्फ लेना जानती है, देना नहीं। ये लोग बस लेते हैं, समाज को कुछ लौटाते नहीं।" हालांकि उन्होंने किसी समुदाय का नाम नहीं लिया, लेकिन सोशल मीडिया पर उनके इस बयान की मंशा और शब्दावली को लेकर काफी आलोचना हो रही है।

डायलॉग्स और 'नीयत' पर उठाए सवाल

कश्यप ने शाहरुख की फिल्मों के मशहूर डायलॉग्स पर भी सवाल उठाए, खासकर "बेटे को हाथ लगाने से पहले बाप से बात कर" जैसे संवादों का जिक्र करते हुए कहा कि ये स्टार्स खुद को आम जनता से अलग समझते हैं। उन्होंने कहा, "शाहरुख भले ही बहुत अच्छे से बोलते हैं, लेकिन उनकी नीयत साफ नहीं लगती।"

पहले भी कर चुके हैं सलमान खान पर गंभीर आरोप

यह पहली बार नहीं है जब अभिनव कश्यप ने किसी बड़े अभिनेता पर निशाना साधा हो। इससे पहले उन्होंने सलमान खान और उनके परिवार को 'प्रूव्ड क्रिमिनल' बताया था और कहा था कि सलमान बेल पर बाहर हैं। उन्होंने दावा किया था कि खान परिवार का व्यवहार सामान्य नहीं है।

क्या कोहली और रोहित खेलेंगे 2027 वर्ल्ड कप? गिल ने खोल दिया राज!

(जीएनएस)।

भारतीय क्रिकेट टीम के नए वनडे कप्तान शुभमन गिल ने ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले एक बड़ा खुलासा किया है। रोहित शर्मा की जगह कप्तानी संभालने के बाद ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि रोहित और विराट कोहली का अंतरराष्ट्रीय करियर शायद अपने अंतिम चरण में है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज उनकी आखिरी हो सकती है। चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर ने भी 2027 डउक्र विश्व कप में इन दोनों की भागीदारी को लेकर कुछ स्पष्ट नहीं किया है।

लेकिन दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शुभमन गिल ने साफ किया कि ये दोनों सीनियर खिलाड़ी अभी भी 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले मेगा इवेंट (विश्व कप) की योजनाओं में शामिल हैं। गिल ने कहा कि रोहित और विराट के पास जो अनुभव है वह बहुत कम खिलाड़ियों के पास होता है। इन दोनों ने जितने मैच भारत को जिताए हैं, उतने बहुत कम खिलाड़ियों ने जिताए हैं। कप्तानी की बागडोर संभालने के बाद शुभमन गिल ने बताया कि वह रोहित शर्मा से किन गुणों को अपने नेतृत्व में लाना चाहते हैं। गिल ने खुलासा किया कि उन्हें कप्तानी की जानकारी अहमदाबाद में पहले टेस्ट मैच के दौरान ही मिल गई थी। गिल ने कहा कि वह रोहित शर्मा के खिलाड़ियों के बीच मित्रतापूर्ण माहौल बनाए रखने की खूबी को अपनाना चाहते हैं।

रोहित ने अपनी कप्तानी में भारत को टी-20 विश्व कप 2024 और कउउ चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में जीत दिलाई थी। गिल उसी तरह के दोस्ताना माहौल को टीम में आगे बढ़ाना चाहते हैं। गिल ने कहा कि रोहित भाई से मैंने कई गुण विरासत में लिए हैं। उनका शांत स्वभाव और ग्रुप के बीच जिस तरह की दोस्ती वह बनाए रखते हैं, वह ऐसी चीज है जिसे मैं पाना चाहता हूं और जिसकी मैं इच्छा रखता हूं। ये वे गुण हैं जो मैं

कौन हैं करगिल शहीद की बेटी रुक्मणी? जिनकी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कर रही करीं कमाई

ऋषभ शेट्टी की फिल्म 'कांताराः चैप्टर 1' इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। इस फिल्म में जहां ऋषभ शेट्टी ने मुख्य भूमिका निभाई है, वहीं उनकी सह-कलाकार रुक्मिणी वसंत भी दर्शकों के बीच काफी चर्चा में हैं। दमदार अभिनय के साथ-साथ उनके निजी जीवन की कुछ बातें भी हैं, जो बहुत कम लोग जानते हैं।

रुक्मिणी वसंत ने 'कांताराः चैप्टर 1' में एक बेहद चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाई है। फिल्म में उन्होंने नायक और खलनायक दोनों का किरदार निभाया, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया है। ऋषभ शेट्टी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में रुक्मिणी की परफॉर्मेंस को क्रिटिक्स और ऑडियंस दोनों से सराहना मिल रही है।

बजट और कमाई में भी फिल्म ने रचा इतिहास

विकिपीडिया के अनुसार, 2 अक्टूबर को रिलीज हुई 'कांताराः चैप्टर 1' का बजट लगभग ₹125 करोड़ था। अब तक यह फिल्म दुनियाभर में ₹325 करोड़ से अधिक की कमाई कर चुकी है। इससे पहले, 2022 में आई 'कांतारा' भी एक ब्लॉकबस्टर हिट रही थी।

फिल्मों में सफर की शुरूआत

रुक्मिणी वसंत कन्नड़ फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री हैं। उन्होंने 2019 में फिल्म 'बीरबल' से अपने करियर की शुरूआत की थी। उन्हें 2023 की हिट फिल्म 'सप्त सागरदाचे एलो' से बड़ी पहचान मिली। इस दो-भाग वाली फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर क्रिटिक्स बेस्ट एक्ट्रेस (कन्नड़) का अवॉर्ड भी मिला।

शहीद पिता की बेटी हैं रुक्मिणी

रुक्मिणी का जन्म 10 दिसंबर 1996 को बेंगलुरु के एक कन्नड़ परिवार में हुआ था। उनके पिता, कर्नल वसंत वेणुगोपाल, कर्नाटक के पहले व्यक्ति थे जिन्हें भारत का सर्वोच्च शांतिकालीन वीरता पुरस्कार अशोक चक्र मिला था। वे 2007 में जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर में आतंकियों से लोहा लेते हुए शहीद हो गए थे। रुक्मिणी की मां सुभाषिनी वसंत, एक जानी-मानी भरतनाट्यम नृत्यांगना हैं। उन्होंने युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की विधवाओं की मदद के लिए एक संस्था की स्थापना की है।

पढ़ाई और अभिनय की ट्रेनिंग

रुक्मिणी ने बेंगलुरु के आर्मी स्कूल और एयर फोर्स स्कूल से शुरूआती पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने सेंटर फॉर लर्निंग से शिक्षा ली और फिर लंदन की रॉयल एकेडमी ऑफ ड्रामेटिक आर्ट्स से अभिनय की प्रोफेशनल ट्रेनिंग हासिल की।

आने वाली फिल्म में यश के साथ नजर आएंगी

वर्कफ्रंट की बात करें तो रुक्मिणी अगली बार फिल्म 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' में नजर आएंगी।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

माननीय रेलवे, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने अहमदाबाद मण्डल का दौरा किया

गुजरात में लॉजिस्टिक्स अवसंरचना एवं औद्योगिक विकास और मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी को सशक्त बनाने हेतु दो महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए

वडनगर स्टेशन, हाई स्पीड रेलवे (HSR) साबरमती स्टेशन और डिपो का किया निरीक्षण

माननीय रेलवे, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज 09 अक्टूबर, 2025 को पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल का दौरा किया। महेसाणा में आयोजित वाइब्रेंट गुजरात रीजनल समिट में भाग लिया।

माननीय रेल मंत्री जी ने वाइब्रेंट गुजरात रीजनल समिट के दौरान अपने भाषण में कहा कि रेलवे हमारे देश की लाइफलाइन है। लॉजिस्टिक्स कॉस्ट को कम करने और ग्रीन लॉजिस्टिक्स का सबसे बड़ा माध्यम है। बहुत खुशी होती है जब रेलवे के नए-नए प्रोजेक्ट्स देशभर में शुरू होते हैं। गुजरात में फ्रेट कॉरिडोर का काम पूरा हो गया है और उसका बहुत लाभ देश को मिल रहा है। जहाँ किसी कंटेनर ट्रेन को आने में 30-30 घंटे लगते थे, आज वहाँ 10-11 घंटे में कंटेनर ट्रेन पहुँच जाती है। आज फ्रेट कॉरिडोर पर डेली करीब-करीब 400 गाड़ियाँ चल रही हैं तथा पिछले 11 वर्षों में गुजरात में 2,764 किमी रेलवे ट्रैक बने हैं। जो डेनमार्क के कुल रेल नेटवर्क के बराबर ट्रैक गुजरात में 11 वर्षों में बने। गुजरात में रेलवे का इन्वेस्टमेंट

₹ 1 लाख 46 हजार करोड़ है।

वाइब्रेंट गुजरात रीजनल समिट के दौरान गुजरात में मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स अवसंरचना को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से कुल ₹12,877.35 करोड़ के दो महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदारी समझौता ज्ञापनों (MoUs) पर हस्ताक्षर किए गए।

पहला समझौता भारतीय रेल (पश्चिम रेलवे, अहमदाबाद मण्डल) और उद्योग आयुक्तालय, गुजरात सरकार के बीच हुआ। इसका मुख्य उद्देश्य राज्य में लॉजिस्टिक्स अवसंरचना और औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित करना है। इस समझौते के तहत रेलवे और गैर-रेलवे भूमि पर गति शक्ति मल्टीकार्गो टर्मिनल, मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क और एकीकृत लॉजिस्टिक्स एवं औद्योगिक पार्क विकसित किए जाएंगे। ये परियोजनाएँ गुजरात इंटीग्रेटेड लॉजिस्टिक्स मास्टर प्लान और सिटी लॉजिस्टिक्स प्लान्स के अनुरूप होंगी। इसके अलावा, माल परिवहन से संबंधित डेटा का नियमित आदान-प्रदान गुजरात लॉजिस्टिक्स डैशबोर्ड के माध्यम से किया जाएगा, जिससे राज्य में लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक निर्णय और भी सटीक और प्रभावी बन सकेंगे।

दूसरा समझौता भारतीय रेल और गुजरात राज्य सड़क परिवहन निगम (GSRTC) के बीच हुआ। इसके तहत राज्य के प्रमुख 87 रेलवे स्टेशनों को मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब के रूप में विकसित किया जाएगा। इन हब्स में रेल और बस सेवाओं का एकीकृत संचालन होगा, जिससे यात्रियों को निर्बाध, सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित होगी। इन हब्स में आधुनिक सुविधाएँ, लॉजिस्टिक्स समन्वय केंद्र और यात्री सेवाओं का समेकन होगा, जिससे राज्य में आवागमन और माल परिवहन दोनों में तेजी और दक्षता आएगी।

अपने दौरे के दौरान श्री वैष्णव ने वडनगर स्टेशन का भी निरीक्षण किया, जहाँ उन्होंने यात्री सुविधाओं का बारीकी से अवलोकन किया तथा इस स्टेशन के पुनर्विकास के बारे में चर्चा की। साथ ही स्थानीय लोगों से बातचीत की तथा उनकी ट्रेनों की मांग पर भी विचार-विमर्श किया।

माननीय रेल मंत्री श्री जी ने साबरमती रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्यों का निरीक्षण किया एवं स्टेशन के मॉडल का अवलोकन किया तथा साबरमती हाई स्पीड रेल स्टेशन एवं हाई स्पीड रेल डिपो का विस्तृत निरीक्षण किया और मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। उन्हें ठलरफ्छछ के अधिकारियों द्वारा प्रजेंटेशन के माध्यम से परियोजना में किए गए विभिन्न विकासात्मक कार्यों और नवीनतम प्रगति की जानकारी दी गई।

निरीक्षण के दौरान माननीय रेल मंत्री जी के साथ श्री विवेक कुमार गुप्ता, महाप्रबंधक, पश्चिम रेलवे; श्री वेद प्रकाश, मंडल रेल प्रबंधक, अहमदाबाद; प्रमुखाध्यक्ष पश्चिम रेलवे मुख्यालय एवं अहमदाबाद मंडल के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

डिस्कॉम की समीक्षा बैठक में विद्युत व्यवस्था और बेहतर बनाने हेतु कड़े निर्देश

एसकेयू

लखनऊ। विद्युत वितरण निगमों की समीक्षा बैठक में आज उ0प्र0 पावर कारपोरेशन अध्यक्ष डॉ0 आशीष कुमार गोयल ने प्रदेश की विद्युत व्यवस्था को और बेहतर बनाने हेतु कड़े निर्देश दिये। अध्यक्ष ने कहाकि विद्युत बिल वसूलने के लिये अभियान चलाइये। सभी अधिकारी एवं कर्मचारी मिशन के रूप में इस कार्य में लगें। एक-एक बिजली बकायेदार से सम्पर्क कर बकाया वसूलें।

अध्यक्ष ने कहा कि आपकी जिम्मेदारी है कि जितनी बिजली दे उतना राजस्व वसूलें और लाइन हानियॉ कम करें। बेहतर विद्युत व्यवस्था के लिये यह जरूरी है। इसलिये सभी लोग विद्युत बिल वसूली में कडी मेहनत करें और निर्धारित लक्ष्य पूरा करें।

उन्होंने कहाकि प्रबन्ध निदेशक, निदेशक तथा मुख्य अभियन्ता रेग्यूलर कार्यो की समीक्षा करें। अपने क्षेत्रों में विद्युत चोरी रोकने, विद्युत बिल वसूलने, बिल रीडिंग एवं वितरण, विद्युत आपूर्ति, स्मार्ट मीटरिंग तथा स्थानीय विद्युत दोषों आदि की व्यवस्था चुस्त दुरूस्त रहे यह सुनिश्चित करिये। उन्होंने कहाकि आपको लीडरशिप देकर नीचे तक व्यवस्था सुधारनी है। जो लोग अच्छा परिणाम दे रहे हैं उनको प्रमोट करिये साथ ही जो बेहतर कार्य नहीं कर रहे हैं उनके विरूद्ध कार्यवाई करिये। नीचे तक कार्यवाई होनी चाहिए।

आज की समीक्षा बैठक में सभी डिस्कॉम द्वारा प्रजेन्टेशन प्रस्तुत किया गया। अध्यक्ष ने कहा कि जहॉ भी स्थानीय फाल्ट हो उन्हें कम से कम समय में ठीक किया जाये। अधिकारी सजगता बरतें। बिजली बाधित होने पर विभिन्न माध्यमों से उपभोक्ताओं को पूरी सूचना दें। जिससे कोई समस्या न पैदा हो।

अध्यक्ष ने बैठक में निर्देश दिये कि हर डिवीजन स्तर पर ऐसे एरिया या क्लस्टर का चयन कर लिया जाये जिनको तकनीकी और वाणिज्यक रूप से आदर्श बनाया जायेगा। इन क्षेत्रों में सर्वे कर शत प्रतिशत उपभोक्ता मीटरों की स्थापना, मीटरों को बाहर सुविधा जनक स्थान पर लगाना, विद्युत चोरी की रोकथाम, नेवरपेड और लॉग अनपेड कंज्यूमर के लिये समर्पित कैंप भी लगाये जाएंगे। इन क्षेत्रों को लाभकारी क्षेत्रों में विकसित किया जायेगा।

अध्यक्ष ने कहाकि सबस्टेशन पर टीजी-2 की डयूटी लगायी जाये। वे बायोमैट्रिक उपस्थिति दर्ज करें और सुबह 10 से उपस्थित रहें। अध्यक्ष ने कहाकि जहॉ पर अवर अभियन्ता नही है वहॉ योग्यता और आवश्यकता के अनुरूप टीजी-2 का उपयोग करने हेतु अवर अभियन्ता का चार्ज देने पर विचार किया जाये।

अध्यक्ष ने वाट्सएप ग्रुप बनाने हेतु भी सख्त निर्देश दिये। उन्होंने कहाकि सभी ग्रुप में कम से कम 500 सदस्य रहें जिससे बेहतर ढ़ग से सूचनाओं का आदान-प्रदान हो सके।

प्रदेश की विद्युत आपूर्ति की समीक्षा करते हुए अध्यक्ष ने कहा की विद्युत आपूर्ति सुचारु रहे इसके लिए प्रतिदिन समीक्षा करें।

अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल ने उपभोक्ताओं को गलत बिजली बिल भेजे जाने को गंभीरता से लेते हुए निर्देश दिए कि गलत रीडिंग लेने और गलत डेटा फीड करने वाले कर्मचारियों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करें।

शक्ति भवन में सम्पन्न इस मीटिंग में विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा हुई। इसमें डिस्कॉम के प्रबन्ध निदेशक तथा निदेशक वाणिज्य एवं निदेशक तकनीकी उपस्थित थे।

कारपोरेशन के प्रबन्ध निदेशक पंकज कुमार ने भी बैठक की समीक्षा की।

निवेश मित्र पोर्टल पर कनेक्शन देने में विलम्ब पर अधिशाषी अभियन्ता एवं अवर अभियन्ता को निलम्बित करने का निर्णय

निवेश मित्र पोर्टल पर एल.एम.वी-2 वाणिज्यिक कनेक्शन देने में विलम्ब के कारण आज वाराणसी के चन्दौली के अधिशाषी अभियन्ता, सहायक अभियन्ता तथा अवर अभियन्ता को निलम्बित करने के निर्देश दिये गये।

चन्दौली जनपद के अन्तर्गत चन्दौली डिवीजन में उपभोक्ता ने 13 अगस्त को वाणिज्यिक कनेक्शन के लिये आवेदन किया था। उसने इस्टीमेट भी जमा कर दिया था। यह शिकायत अध्यक्ष के पास आयी जिस पर उन्होंने सख्त कार्यवाई के निर्देश दिये। उन्होंने कहाकि इसमें विलम्ब के लिये जिम्मेदारी तय की जाये और इसके लिये जिम्मेदार कार्मिकों को निलम्बित किया जाये।

डॉ0 गोयल ने कहा कि उपभोक्ता का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उपभोक्ता हमारे लिये सबसे महत्वपूर्ण हैं। निवेश मित्र या झटपट पोर्टल के आवेदनों को निस्तारित करके कनेक्शन दिया जाना चाहिए।

गोरखपुर-डोमिनगढ़ खण्ड पर स्थित समपार संख्या-162 पर रोड ओवर ब्रिज के लिये गर्डर लांचिंग कार्य हेतु गाड़ियों का नियंत्रित/पुनर्निर्धारित

एसकेयू

गोरखपुर, 09 अक्टूबर, 2025: रेलवे प्रशासन द्वारा रेल संरक्षा को ध्यान में रखते हुये गोरखपुर-डोमिनगढ़ खण्ड पर स्थित समपार संख्या-162 पर रोड ओवर ब्रिज के लिये गर्डर लांचिंग कार्य हेतु ब्लाक दिये जाने के कारण गाड़ियों को नियंत्रित/पुनर्निर्धारित कर निम्नवत चलाया जायेगा।

- दिल्ली से 09 एवं 15 अक्टूबर,2025 को चलने वाली 04010 दिल्ली-सीतामढ़ी विशेष गाड़ी मार्ग में 02 घंटा नियंत्रित कर चलाई जायेगी।
- भागलपुर से 09 अक्टूबर,2025 को चलने वाली 15097 भागलपुर-जम्मूतवी एक्सप्रेस वाराणसी मण्डल पर 75 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।
- आनन्द विहार टर्मिनस से 09 अक्टूबर,2025 को चलने वाली 15530 आनन्द विहार टर्मिनस-सहरसा एक्सप्रेस मार्ग में 50 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।
- गोरखपुर से चलने वाली 01080 गोरखपुर-छत्रपति शिवाजी महराज टर्मिनस विशेष गाड़ी गोरखपुर से 10, 11, 13 अक्टूबर,2025 को 01 घंटा पुनर्निर्धारित कर तथा 15 एवं 16 अक्टूबर,2025 को 45 मिनट विलम्ब से चलाई जायेगी।
- पुणे से चलने वाली 01415 पुणे-गोरखपुर विशेष गाड़ी मार्ग में 09, 10, 12 अक्टूबर,2025 को 75 मिनट तथा 14 एवं 15 अक्टूबर,2025 को 60 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।
- दरभंगा से चलने वाली 02569 दरभंगा-नई दिल्ली विशेष गाड़ी वाराणसी मण्डल पर 09, 11, 13 अक्टूबर,2025 को 60 मिनट तथा 15 एवं 16 अक्टूबर,2025 को 45 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।
- छपरा से 09 अक्टूबर,2025 को चलने वाली 05049 छपरा-अमृतसर विशेष गाड़ी वाराणसी मण्डल पर 60 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।
- तिरूअनन्तपुरम् नार्थ से 08 एवं 14 अक्टूबर,2025 को चलने वाली 12512 तिरूअनन्तपुरम् नार्थ-गोरखपुर एक्सप्रेस मार्ग में 30 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।
- बापूधाम मोतिहारी से 09 अक्टूबर,2025 को चलने वाली 15567 बापूधाम मोतिहारी-आनन्द विहार टर्मिनस वाराणसी मण्डल पर 60 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।
- बरौनी से चलने वाली 02563 बरौनी-नई दिल्ली विशेष गाड़ी वाराणसी मण्डल पर 09 अक्टूबर,2025 को 55 मिनट एवं 15 अक्टूबर,2025 को 60 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।
- रक्सौल से चलने वाली 15273 रक्सौल-आनन्द विहार टर्मिनस एक्सप्रेस वाराणसी मण्डल पर 09 अक्टूबर,2025 को 45 मिनट तथा 15 अक्टूबर,2025 को 30 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।
- अमृतसर से 09 एवं 14 अक्टूबर,2025 को चलने वाली 15212 अमृतसर-दरभंगा एक्सप्रेस मार्ग में 30 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।
- मथुरा जं0 से 10 एवं 15 अक्टूबर,2025 को चलने वाली 15110 मथुरा जं0-छपरा एक्सप्रेस मथुरा जं0 से 01 घंटा 30 मिनट पुनर्निर्धारित कर चलाई जायेगी।
- जम्मू तवी से 10 अक्टूबर,2025 को चलने वाली 14692 जम्मूतवी-बरौनी एक्सप्रेस मार्ग में 35 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।
- आनन्द विहार टर्मिनस से 09 अक्टूबर,2025 को चलने वाली 15622 आनन्द विहार टर्मिनस-कामाख्या एक्सप्रेस मार्ग में 30 मिनट पुनर्निर्धारित कर चलाई जायेगी।
- आनन्द विहार टर्मिनस से 12 अक्टूबर,2025 को चलने वाली 14012 आनन्द विहार टर्मिनस-राधिकापुर एक्सप्रेस मार्ग में 30 मिनट पुनर्निर्धारित कर चलाई जायेगी।
- गोरखपुर से 13 अक्टूबर,2025 को चलने वाली 12587 गोरखपुर-जम्मूतवी एक्सप्रेस गोरखपुर से 15 मिनट विलम्ब से चलाई जायेगी।
- गोमतीनगर से 13 अक्टूबर,2025 को चलने वाली 15078 गोमतीनगर-कामाख्या एक्सप्रेस मार्ग में 15 मिनट नियंत्रित कर चलाई जायेगी।

सभी जनपदों के मार्गों पर गड्ढामुक्ति/पैच मरम्मत के कार्यों हेतु 68 अधिकारियों को अलग अलग जनपदों में निरीक्षण/जाँच हेतु नामित

लखनऊ, एसकेयू,

प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग उ०प्र० अजय चौहान ने यह जानकारी देते हुए बताया कि माननीय मुख्यमंत्री जी के निदेर्शों के क्रम में प्रदेश के अन्तर्गत सभी जनपदों के विभिन्न श्रेणी के मार्गों पर गड्ढामुक्ति/पैच मरम्मत के कार्यों के निरीक्षण एवं रेण्डम आधार पर प्रति खण्ड विशेष मरम्मत के अन्तर्गत बनाये जा रहे 05 आगणनों की स्थिति एवं गुणवत्ता के परीक्षण हेतु मुख्य अभियंता /अधीक्षण अभियंता स्तर कुल 68 अधिकारियों को अलग अलग जनपदों में निरीक्षण/जाँच हेतु एतद्वारा नामित किया गया है।

नामित अधिकारी 9 अक्टूबर एवं 10 अक्टूबर को उनको आवंटित जनपदों में अध्यासन कर विभिन्न श्रेणी के मार्गों पर गड्ढामुक्ति/पैच मरम्मत के कार्यों का निरीक्षण एवं रेण्डम आधार पर प्रति खण्ड विशेष मरम्मत के अन्तर्गत बनाये जा रहे 05 आगणनों की स्थिति एवं गुणवत्ता का परीक्षण करते हुए अपनी सुस्पष्ट आख्या 10 अक्तूबर की सायं तक मुख्य अभियन्ता (मु0-1), लो०नि०वि०, लखनऊ को उपलब्ध करायेंगे।

कांशी राम की पुण्यतिथि पर आप ने किया नमन

(जीएनएस)।

लखनऊः आम आदमी पार्टी यूपी इकाई ने कांशीराम की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की इस अवसर पर आम आदमी पार्टी के पदाधिकारियों ने कहा महान समाज सुधारक, शोषित-वंचित समाज के अधिकारों के लिए जीवन पर्यंत संघर्ष करने वाले और बहुजन राजनीति के पुरोधा मान्यवर कांशी राम जी की पुण्यतिथि पर आम आदमी पार्टी (अअढ) उन्हें शत-शत नमन करती है और कृतज्ञतापूर्वक उनके अतुलनीय योगदान को याद करती है।

अयोध्या प्रांत के अध्यक्ष विनय पटेल ने इस मौके पर कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि मान्यवर कांशी राम जी का संघर्ष और उनका 'बहुजन हित' का विचार आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना पहले था। उन्होंने समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के आत्मसम्मान और सत्ता में भागीदारी के लिए जो अलख जगाई, वह आज भी करोड़ों लोगों को प्रेरित करती है।

उनके दिखाए रास्ते पर चल कर ही 'शोषित वंचित' समाज का उत्थान संभव है और उनके आदर्शों पर चलते हुए 'समानता' के लिए संघर्ष जारी है।

प्रदेश प्रवक्ता प्रिंस सोनी ने कहा कि "मान्यवर कांशी राम जी ने हमें सिखाया कि राजनीतिक शक्ति ही शोषित और वंचित समाज के जीवन में वास्तविक परिवर्तन ला सकती है। आम आदमी पार्टी उसी आदर्श पर चलते हुए, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी और हर मूलभूत सुविधा को हर वर्ग तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। दिल्ली और पंजाब में हमारी सरकारें जिस तरह से आम आदमी के जीवन स्तर को ऊपर उठा रही हैं, वह मान्यवर कांशी राम जी के सपनों को साकार करने की दिशा में एक ठोस कदम है । आम आदमी पार्टी बहुजन राजनीति के पुरोधा मान्यवर कांशी राम जी की विरासत को आगे बढ़ा रही हैं।

जिला अध्यक्ष इरम रिजवी ने कहा कि गरीब, दलित, पिछड़े और शोषित समाज को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, निःशुल्क चिकित्सा, और रोजगार के अवसर प्रदान करना ही मान्यवर कांशी राम जी को सच्ची श्रद्धांजलि है। आम आदमी पार्टी का संघर्ष केवल सत्ता हासिल करने का नहीं, बल्कि सत्ता का उपयोग कर समाज के सबसे कमजोर वर्ग को सशक्त बनाने का है। मान्यवर कांशी राम जी का सपना था एक ऐसा भारत, जहाँ हर नागरिक को उसका अधिकार मिले और समाज में बराबरी हो। आम आदमी पार्टी उनके इसी सपने को पूरा करने के लिए संकल्पित है।

पुण्यतिथि के इस मौके पर निवर्तमान प्रदेश महासचिव दिनेश पटेल, शिक्षक प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र सिंह, अयोध्या प्रांत उपाध्यक्ष नूर सिद्दकी, सुभाषिनी मिश्रा, ज्ञान सिंह,रानी कुमारी, पी के बाजपेई, सी के प्रसाद, अनित रावत,बलराम साहनी, सुधीर पटेल, दीपक चौरसिया, मुकेश शुक्ला, विनोद कुमार सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

देवा मेला में आयोजित बॉडीबिल्डिंग शो ने युवाओं को किया आकर्षित

प्रतियोगिता में 100 प्रतिभागियों की दमदार प्रस्तुति, संगीत और जज टीम की मौजूदगी से कार्यक्रम बना भव्य

(जीएनएस)।

बाराबंकी। सूफी संत हाजी वारिस अली शाह की धरती पर देवा मेले में पहली बार आयोजित बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता युवाओं के लिये आकर्षण का केंद्र बनी। शो देंखने के लिये बड़ी संख्या में युवाओं की ऑडिटोरियम में उपस्थिती रही। प्रतियोगिता का शुभारंभ मेला कमेटी के सदस्य महबूब किदवई, फव्वाद किदवई और तालिब नजीब कोकब ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस प्रतियोगिता में लगभग 100 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। शो के दौरान मेघना मिश्रा और नैतिक सिंह ने डुएट गीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। प्रतिभागियों के प्रदर्शन का निष्पक्ष मूल्यांकन 12 सदस्यीय जज टीम ने किया, जिन्होंने कड़े मापदंडों के आधार पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों का चयन किया। आयोजकों ने बताया कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं को नशे से दूर रखते हुए स्वास्थ्य, फिटनेस और सकारात्मक जीवनशैली की ओर प्रेरित करना है। देवा कस्बा धार्मिक पर्यटन के लिए प्रसिद्ध है, लेकिन युवाओं के लिए खेल और फिटनेस की संभावनाओं की कमी महसूस की जाती रही। इस पहल ने युवाओं में उत्साह और आत्मविश्वास जगाने का पहला कदम उठाया है। इस अवसर पर आयोजन समिति के

संयोजक असद साजिद सहित मेला कमेटी के सदस्यगण महबूब किदवई, फव्वाद किदवई, तालिब नजीब कोकब और रानी मृणालिनी सिंह सहित अन्य सदस्य और बड़ी संख्या में स्थानीय युवा और दर्शक उपस्थित रहे। प्रतिभागियों की मेहनत, संगीत और निर्णायक टीम की मौजूदगी ने बॉडीबिल्डिंग शो को न केवल प्रतिस्पर्धा बल्कि युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत और उत्साहवर्धक कार्यक्रम बना दिया।

साइकिल चलाकर रायबरेली से देवा पहुंचे प्रीतम ने बॉडीबिल्डिंग शो में दिखाई प्रतिभा

देवा मेले में पहली बार आयोजित बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता ने युवा प्रीतम के लिए यादगार अनुभव बन गया। रायबरेली से साइकिल पर सफर तय कर शो में शामिल हुए प्रीतम ने अपनी कड़ी मेहनत, अनुशासन और जोश से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी प्रतिभा को देखते हुए युवा आइकन असद साजिद ने उन्हें फूलमाला पहनाकर सम्मानित किया।

बॉडीबिल्डिंग का जलवा : मिस्टर इंडिया पंकज रहे दर्शकों का आकर्षण केंद्र

बाराबंकी। देवा मेला में आयोजित 2025 की बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता में गाजीपुर के रहने वाले मिस्टर इंडिया बाड़ी बिल्डर पंकज यादव ने अपनी दमदार और अद्वितीय प्रस्तुति से पूरे ऑडिटोरियम में हौसले और उत्साह की लहर दौड़ा दी। उनके सशक्त, संतुलित और सुंदर कद-काठी वाले प्रदर्शन ने युवा दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। जैसे ही पंकज यादव स्टेज पर उतरे, दर्शकों ने कुर्सियों पर खड़े होकर तालियों और जयकारों से उनका उत्साहवर्धन किया। उनका अनुशासन, मेहनत और समर्पण सभी प्रतिभागियों और दर्शकों के लिए प्रेरणास्त्रोत बन गया। आयोजन समिति और उपस्थित दर्शक उनकी ताकत, दृढ़ता और मंच पर आत्मविश्वास भरे प्रदर्शन के कायल हो गए। पंकज यादव का यह शानदार प्रदर्शन न केवल प्रतियोगिता को रोमांचक और जीवंत बना गया, बल्कि युवाओं में फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता और प्रेरणा भी जगाई। प्रतिभागियों, आयोजकों और दर्शकों की संयुक्त सराहना ने यह स्पष्ट कर दिया कि पंकज यादव का यह प्रदर्शन बॉडीबिल्डिंग की दुनिया में नई ऊर्जा और उत्साह का प्रतीक बन गया है।

पारा कोतवाली क्षेत्र में बीएसपी नेताओं का विवादित पोस्टर लगा, मचा हड़कंप

(जीएनएस)।

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के पारा कोतवाली क्षेत्र के बुधेश्वर चौराहा स्थित फ्लाईओवर पर बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) के नेताओं द्वारा एक विवादित पोस्टर लगाए जाने से स्थानीय क्षेत्र में हड़कंप मच गया जानकारी के अनुसार, पोस्टर में ऐसे शब्द और बयान लिखे गए हैं, जो राजनीतिक और सामाजिक रूप से विवाद को जन्म दे रहे हैं। राहगीरों और स्थानीय नागरिकों ने इसकी

सूचना पुलिस को दी, जिसके बाद मौके पर पारा कोतवाली पुलिस पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, पोस्टर लगाने वाले नेताओं की पहचान की जा रही है, और जल्द ही जिम्मेदारों पर कार्रवाई की जाएगी। वहीं इस घटना से क्षेत्र में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है, क्योंकि विरोधी दलों ने भी इस पर तीखी प्रतिक्रिया दी है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसे विवादित पोस्टर से माहौल खराब हो सकता है, इसलिए प्रशासन को सख्त कदम उठाना चाहिए। मामले की जांच जारी है, पारा पुलिस कि निगरानी में है।

ग्राम पंचायत रहेड़िया में श्री सिद्ध कालसैन बाबा प्राचीन मंदिर पर हुआ विशाल भंडारे का आयोजन

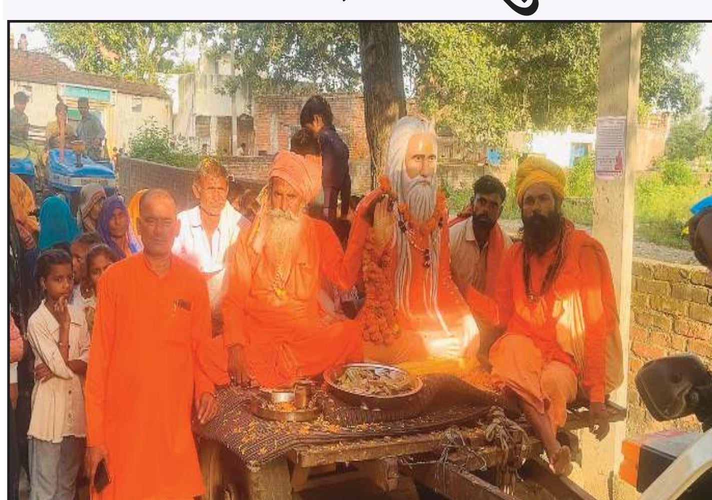

बदायूँ के तहसील बिसौली क्षेत्र के ग्राम पंचायत रहेड़िया में श्री सिद्ध कालसैन बाबा प्राचीन मंदिर के मुख्य रचयिता व निर्माणकर्ता श्री महंत नागा बाबा मोती गिरि महाराज की लगी मूर्ति को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा मूर्ति को खंडित कर दिया गया था उसी मूर्ति की पुनः मंदिर पर स्थापना हुई आपको बता दे की मूर्ति को श्री सिद्ध कालसैन बाबा के मंदिर पर पहले मूर्ति का पूजन महंत रवि गिरि ब पंडित जी के हाथों से कराया गया उसके पश्चात मूर्ति को गम्भादित मंदिर से होकर पूरे ग्राम पंचायत रहेड़िया में बाबा मोती गिरि की मूर्ति को बड़े ही सुंदर राधाकृष्ण जी की झांकियों द्वारा मूर्ति को ग्राम रहेड़िया में घूमाया गया इसी के साथ बाबा कालसैन मंदिर पर 24 घंटे का अखंड रामायण का पाठ भी हुआ जिसमें श्री महंत नागा बाबा मोती गिरि महाराज की मूर्ति की स्थापना सुबह साढ़े चार बजे श्री सिद्ध कालसैन बाबा प्राचीन मंदिर पर हुई थी उसके बाद बाबा के मंदिर पर विशाल भंडारे का आयोजन हुआ जिसमें निवेदन कर्ता श्री महंत महेश गिरि महाराज जी मौके पर उपस्थित रहे एवं यह मंदिर 84 गांव का आस्था का केंद्र है यहाँ हर साल हजारों ब लाखो की संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने ब बच्चों के मुंडन कराने के लिए यहाँ आते हैं ब हर साल एक प्राचीन मंदिर पर विशाल मेला भी लगता है

वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस (वीजीआरसी) - उत्तर गुजरात, गुजरात ग्रीन ग्रोथ के लिए प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

गांधीनगर, 09 अक्टूबर : वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस के अंतर्गत गुरुवार को मेहसाणा में ऊर्जा आत्मनिर्भरता पर आयोजित सेमिनार और अवॉर्ड समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि 2003 में जब वाइब्रेंट गुजरात की शुरूआत हुई थी, तब 100-200 करोड़ रुपए के एमओयू हुए थे, जबकि आज पचास हजार करोड़ रुपए जैसी बड़ी धनराशि के एमओयू हो रहे हैं, जो गुजरात की अर्थव्यवस्था में आए बड़े परिवर्तन का दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान गुजरात में पंचामृत यानी जल शक्ति, ज्ञान शक्ति, ऊर्जा शक्ति, जन शक्ति और रक्षा शक्ति पर आधारित शासन का नया मॉडल विकसित किया था। आज गुजरात देश का ग्रीन एनर्जी हब बनने जा रहा है। गुजरात आज एनर्जी ट्रांसफॉर्मेशन में देश का नेतृत्व करने को तैयार है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि दुनिया जब ऊर्जा का विकल्प तलाश रही थी, तब प्रधानमंत्री ने नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में सौर ऊर्जा पर जोर देकर उत्तर गुजरात के चारणका में एशिया का सबसे बड़ा सोलर प्लांट स्थापित किया था। देश में सौर ऊर्जा की नींव उत्तर गुजरात की भूमि में रखी गई थी। ऐसे प्रयासों के कारण ही संयुक्त राष्ट्र द्वारा श्री मोदी को नीतिगत नेतृत्व के लिए 'चैंपियंस ऑफ द अर्थ 2018' पुरस्कार से नवाजा गया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात ने नवीकरणीय ऊर्जा और ग्रीन हाइड्रोजन के लिए विशेष नीति बनाई है। वाइब्रेंट समिट में ग्रीन हाइड्रोजन नीति की घोषणा की गई थी। उन्होंने कहा कि गुजरात ग्रीन ग्रोथ के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा बनाई गई पीएम सूर्य घर जैसी योजना के कार्यान्वयन में गुजरात अग्रणी रहा है। पूरे गुजरात में तीन लाख से अधिक सौलर रूफटॉप पैनल्स लगाए गए हैं। जिसमें मोढेरा और बनासकांठा के मशाली जैसे सौ फीसदी सोलर संचालित गांव उत्तर गुजरात में स्थित हैं। उन्होंने कहा कि सौर ऊर्जा के साथ-साथ गुजरात ने पवन ऊर्जा (विंड एनर्जी) के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति की है। दुनिया का सबसे बड़ा हाइब्रिड रिन्यूएबल एनर्जी पार्क कच्छ के खावड़ा में कार्यरत हो रहा है। 2001 में नवीकरणीय ऊर्जा से केवल

99 मेगावाट बिजली का उत्पादन होता था, जो आज बढ़कर 31,403 मेगावाट तक पहुंच गया है।

मुख्यमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत पर बल देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के संकल्प के साथ 'आत्मनिर्भर भारत' का मंत्र दिया है। आगामी वर्षों में भारत की ऊर्जा जरूरत में वृद्धि होगी, तब नवीकरणीय ऊर्जा से बिजली हासिल कर इस ऊर्जा खपत की आवश्यकता को पूरा किया जा सकेगा। इसके लिए मुख्यमंत्री ने यह दृढ़ विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में गुजरात ग्रीन एनर्जी क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व करने को तैयार है।

केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी

सेमिनार में केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री प्रल्हाद जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ऊर्जा क्षेत्र में जो परिवर्तन आए हैं, उससे देश में ऊर्जा क्रांति आ रही है। आज वाइब्रेंट गुजरात में ऊर्जा क्षेत्र में हुए समझौता ज्ञापनों (एमओयू) को देखकर अत्यधिक प्रसन्नता हुई। उन्होंने कहा कि एक समय था जब देश में अंधकार छाया रहता था, जबकि आज देश में 24 घंटे बिजली उपलब्ध है।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि गुजरात देश भर में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में अग्रणी राज्य है। पीएम कुसुम और पीएम सूर्य घर जैसी रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र की योजनाओं के क्रियान्वयन के मामले में भी गुजरात सबसे आगे है। देश में उत्पन्न होने वाली कुल नवीकरणीय ऊर्जा में से एक तिहाई ऊर्जा-बिजली अकेला गुजरात उत्पन्न करता है।

देश ही नहीं, संभवतः दुनिया के पहले सोलर विलेज मोढेरा का उल्लेख करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जब इस विश्वास के साथ सूर्य घर योजना की बात की थी कि हर घर बिजली पैदा करेगा, तब लोग इस बात का मजाक उड़ाते थे, लेकिन दूरदर्शी नेता वही होता है, जो अगले 20-25 वर्षों का भविष्य देख सकता है।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में उल्लेखनीय विकास हुआ है। भारत ने वर्ष 2030 तक 100 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा पैदा करने का लक्ष्य रखा है, जो समय से पहले ही हासिल हो सकता है। ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के लिए नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा अनिवार्य है।

राज्य के ऊर्जा विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री एस.जे. हैदर ने स्वागत भाषण में कहा कि वाइब्रेंट गुजरात का यह कार्यक्रम ऊर्जा, उद्यम और उन्नति की यात्रा है। यह गुजरात का ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में बढ़ता कदम है। गुजरात की ऊर्जा यात्रा में नए ऊर्जा स्रोत हमारे भविष्य को और अधिक आसान और ऊर्जावान बनाएंगे।

इस सेमिनार में टोरेन्ट कंपनी के प्रबंधन निदेशक श्री जिनल मेहता ने कहा कि प्रधानमंत्री ने नवीकरणीय ऊर्जा का विजन दिया है। भारत सरकार ने इस विजन के अनुरूप विभिन्न योजनाएं लॉन्च की हैं, जिनमें गुजरात एक अग्रणी राज्य है।

आईआईटी-गांधीनगर के निदेशक प्रो. रजत मूना ने वर्ष 2030 तक 100 गीगावाट ऊर्जा क्षमता हासिल करने का लक्ष्य निर्धारित करने के लिए गुजरात सरकार को बधाई दी।

अवाडा समूह के चेयरमैन श्री विनीत मित्तल और नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनटीपीसी) के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक श्री गुरदीप सिंह ने 'ग्रीन एनर्जी के अंतर्गत उद्यमिता और निवेशक' विषय पर विस्तार से रोशनी डाली।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री और महानुभावों ने नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की नीति से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेजों के संकलन वाली पुस्तकों का विमोचन किया। ऊर्जा आत्मनिर्भरता के गुजरात के प्रयासों की गाथा दर्शाने वाली फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया।

इस मौके पर ऊर्जा क्षेत्र के 22 एमओयू का आदान-प्रदान किया गया। ऊर्जा क्षेत्र में अहम योगदान देने वाले तथा क्लीन-ग्रीन एनर्जी क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले श्री गणपतभाई पटेल सहित अन्य लोगों तथा संस्थानों और कंपनियों को सम्मानित कर उन्हें प्रोत्साहित किया गया।

सेमिनार में राज्य के ऊर्जा मंत्री श्री कनुभाई देसाई, कैबिनेट मंत्री श्री ऋषिकेश पटेल, मुख्य सचिव श्री पंकज जोशी, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव श्री एम.के. दास, स्थानीय सांसद और विधायकगण, ऊर्जा क्षेत्र में कार्यरत कंपनियों के अग्रणी और उद्योगपतियों सहित बड़ी संख्या में प्रतिनिधि मौजूद रहे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने आयोग को विवरणी न देने वाले पंजीकृत राजनैतिक दलों की सुनवाई की

लखनऊः उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवदीप रिणवा ने प्रदेश के पते पर पंजीकृत ऐसे राजनैतिक दल जो विगत 06 वर्षों में लोक सभा एवं विधान सभा चुनाव में प्रतिभाग करने के बाद भी निर्धारित तिथि तक अपनी अंशदान रिपोर्ट, वार्षिक लेखा परीक्षण (ऑडिट) रिपोर्ट एवं निर्वाचन व्यय विवरणी आयोग को प्रस्तुत नहीं किया था, ऐसे राजनैतिक दलों की अपने कार्यालय कक्ष में सुनवाई की। 09 अक्टूबर गुरुवार को सुनवाई के अंतिम दिन 52 राजनैतिक दलों को बुलाया गया था, इसमें 26 राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया। सीईओ द्वारा विगत तीन दिनों तक की गई सुनवाई में कुल 66 दलों के पदाधिकारियों ने उपस्थित होकर अपना पक्ष रखा। सीईओ ने प्रत्येक दल द्वारा प्रस्तुत किए गए अंशदान रिपोर्ट, वार्षिक लेखा परीक्षण (ऑडिट) रिपोर्ट एवं निर्वाचन व्यय विवरणी जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेजों का गहन परीक्षण किया और सभी दलों के मोबाइल नंबर, पंजीकरण संख्या, वर्तमान पता व ईमेल की भी जांच की।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा उत्तर प्रदेश के पते पर पंजीकृत ऐसे 127 राजनैतिक दलों को कारण बताओं नोटिस जारी किया गया था, जो वर्ष 2019 से अब तक विगत 06 वर्षों में लोक सभा एवं विधान सभा चुनाव में प्रतिभाग करने के बाद भी विगत तीन वित्तीय वर्षों से अपनी वार्षिक ऑडिट रिपोर्ट एवं निर्वाचन व्यय विवरणी निर्धारित समय सीमा तक प्रस्तुत नहीं किया था।

झांसी में सीएम योगी ने अफसरों और जनप्रतिनिधियों संग की बैठक, दिए निर्देश

बीडा सहित अन्य विकास परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने के दिए निर्देश

सभी माफिया के खिलाफ जीरो टॉलरेंस अपनाते हुए सख्त कार्रवाई करने के निर्देश

स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार गोबर के पेंट का सरकारी भवनों में किया जाए उपयोग

जनपद झांसी के दौरे पर पहुंचे प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कन्वेंशन सेंटर में स्थानीय अफसरों और जन प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर कानून व्यवस्था और विकास कार्यों की समीक्षा की। बैठक में बुंदेलखंड के विकास की परियोजनाओं को लेकर सीएम ने खास तौर पर अफसरों से जानकारी ली। सीएम ने विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए योजनाओं को गुणवत्तापूर्ण ढंग से समयबद्ध पूरा करने के निर्देश दिए। इस मौके पर अधिकारियों ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के जरिए जनपद

के विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की स्थिति का ब्यौरा सीएम के सामने रखा।

मुख्यमंत्री ने पेयजल से संबंधित परियोजनाओं को पूर्ण करने में गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सीएम ने कहा कि बीडा के अंतर्गत जमीन आवंटन कराने वाले निवेशक तीन वर्षों के भीतर निवेश की प्रक्रिया शुरू करें, इस बात को सुनिश्चित किया जाए। जमीनों के लिए प्रस्ताव आने से पूर्व भूमि अधिग्रहीत कर ली जाए। युवाओं के स्वावलंबन के लिए उन्हें प्रशिक्षण दिया जाए, जिससे इस क्षेत्र में लगने वाले उद्योगों में उन्हें नौकरी मिल सके।

श्रीूड्डील्लाीि_ु८

देवा मेला में मीडिया कैम्प का हुआ शुभारम्भ

हमेशा समाज को नई दिशा देने मे पत्रकारों की महती भूमिका होती है-एडीएम

देवा मेला हम सबके आपसी सामंजस्य एवं सामूहिक प्रयास से चमकता है:विकास चंद्र त्रिपाठी

देवा मेला केवल उत्सव नहीं, बल्कि प्रेम,एकता और भाईचारे का प्रतीक है:आकांक्षा गुप्ता

हमें समाज में हो रहे गलत कार्यों के खिलाफ आवाज उठानी जारी रखना होगा:अब्दुल वहीद

एडीएम अरुण कुमार सिंह,अपर पुलिस अधीक्षक विकास चंद्र त्रिपाठी,उपजिलाधिकारी अनिल सरोज एवं आकांक्षा गुप्ता,उत्तर प्रदेश जिला मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोसिएशन के महामंत्री अब्दुल वहीद सहित क्षेत्राधिकारी सदर शौरभ श्रीवास्तव,कोतवाल देवा अजय त्रिपाठी की मौजूदगी में हुआ उद्घाटन

लखनऊ/बाराबंकी।जो रब है वही राम है का संदेश देने वाले महान सुफी सन्त सैय्यद हाजी वारिस अली शाह की मजार शरीफ पर चल रहे देवा महोत्सव मे उत्तर प्रदेश जिला मान्यता प्राप्त पत्रकार एसोशियन के तत्वाधान मे मीडिया कैम्प का उद्घाटन अपर जिलाधिकारी अरुण कुमार सिंह एव अपर पुलिस अधीक्षक विकास चंद त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अपर जिलाधिकारी अरुण कुमार ने पत्रकार साथियो को धन्यवाद देते हुए कहा कि आप लोग कलम के सिपाही है। पत्रकारों की हमेशा समाज को नई दिशा देने मे महती भूमिका होती है। उन्होंने ने कहा कि देवा मेला जनपद की अनूठी पहचान है जो कि लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करने का एक

थाना दारागंज एंटी रोमियो स्क्वाड व महिला बीट अधिकारियों द्वारा 'मिशन शक्ति 5.0' के अन्तर्गत चलाया जागरूकता अभियान

(जीएनएस)।

प्रयागराजः पुलिस आयुक्त व अपर पुलिस आयुक्त के निर्देशन में व पुलिस उपायुक्त नगर व अपर पुलिस उपायुक्त नगर के कुशल पर्यवेक्षण में नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु चलाये जा रहे अभियान 'मिशन शक्ति 5.0' के तहत नगर जोन के थाना दारागंज में गठित एंटीरोमियों स्क्वाड व महिला बीट अधिकारियों द्वारा महिला सशक्तिकरण के सम्बन्ध

में बालिकाओं/महिलाओं की समस्याएं सुनी गयीं तथा महिला सुरक्षा व महिला सशक्तिकरण के संबंध में जागरूक करते हुए विभिन्न हेल्पलाइन- वूमेन पॉवर लाइन-1090, आपातकालीन सेवा यूपी-112, चाइल्ड हेल्पलाइन-1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076, स्वास्थ्य सेवा-102, एम्बुलेंस-108, साइबर क्राइम-1930 आदि के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही मिशन शक्ति केन्द्र, एण्टी-रोमियो स्क्वाड व आत्मरक्षा सम्बंधी टिप्स आदि के बारे में विस्तृत रुप से जानकारी देकर जागरुक किया गया ।

उक्त अभियान में नि0 ओमप्रकाश यादव, म0उ0नि0 जय अम्बिका पासवान, उ0नि0 शम्भूनाथ, उ0नि0 उत्तम त्रिपाठी, म0का0 मीनू, म0का0 राधा सिंगला,म0का0 वर्षा चौधरी, ने महिलाओं के बीच जाकर जागरूकता अभियान में अहम योगदान दिया ।

पहला मैच श्री चंद्र हॉकी अकेडमी हरदोई व दूसरा मैच डीएचए गोला ने जीता

देवा मेला में राज्य स्तरीय हॉकी खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ

मुख्य अतिथि पूर्व ओलंपियन दानिश मुजतबा ने हॉकी के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

(जीएनएस)।

बाराबंकी, ऐतिहासिक देवा मेला के हॉकी मैदान में गुरुवार से राज्य स्तरीय हॉकी खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व ओलंपियन दानिश मुजतबा ने हॉकी के खिलाड़ियों

से हाथ मिलाकर परिचय प्राप्त कर किया। पहला मैच चंद्र हॉकी अकेडमी हरदोई और प्रिंस क्लब शाहजहांपुर के बीच खेला गया। जिसमें चंद्र हॉकी अकेडमी हरदोई के खिलाड़ियों ने जबरदस्त खेलते हुए 6-1 से मैच पर फतेह हासिल की और प्रिंस क्लब शाहजहांपुर को महज एक गोल पर ही समेट दिया। इसके बाद दूसरा मैच गाँधी क्लब बाराबंकी और डीएचए गोला के बीच खेला गया। इस मैच के रोमांचक मुकाबले में डीएचए गोला की टीम ने 4-2 से मैच पर जीत हासिल की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व ओलंपियन दानिश मुजतबा, सचिव जिला ओलंपिक संघ धीरेंद्र कुमार वर्मा, देवा मेला आयोजन सचिव मजहर अजीज खाँ, व महबूब-उर-रहमान किदवई, चंदा रानी आदि लोग उपस्थित रहे।

भारत आए तालिबान के मंत्री, देवबंद जाने के पीछे क्या मकसद और झंडों पर क्या विवाद?

(जीएनएस)।

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी गुरुवार को भारत पहुंचे। यह भारत की यात्रा 2021 में अमेरिकी सेना की वापसी और तालिबान की सत्ता में लौटने के बाद किसी शीर्ष तालिबान नेता की पहली यात्रा है। मुत्तकी की यह सात दिवसीय यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब भारत तालिबान सरकार के साथ अपने संबंधों को और बेहतर बनाने की कोशिश कर रहा है।

गर्मजोशी से हुआ स्वागत

मुत्तकी की ये यात्रा यूनाइटेड नेशन्स की अनुमति के बाद हो रही है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मुत्तकी का गर्मजोशी से स्वागत किया और कहा कि भारत उनके साथ द्विपक्षीय संबंधों और क्षेत्रीय मुद्दों पर बातचीत करने की उम्मीद रखता है।

मुत्तकी इस दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से चर्चा करेंगे। इसके अलावा वह दारुल उलूम देवबंद मदरसा और आगरा में ताजमहल का दौरा भी करेंगे। इस साल की शुरूआत में, विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने दुबई में मुत्तकी से मुलाकात की थी ताकि अफगानिस्तान की तत्काल विकास संबंधी जरूरतों पर चर्चा की जा सके।

रूस यात्रा के बाद भारत दौरा

मुत्तकी की यह यात्रा रूस में हुई बैठकों के बाद हो रही है। रूस ही एकमात्र देश है जिसने तालिबान प्रशासन को आधिकारिक रूप से मान्यता दी है। भारत ने तालिबान के सत्ता में आने के बाद अफगानिस्तान को मानवीय और विकास सहायता प्रदान की है और हजारों अफगान शरणार्थियों को आश्रय दिया है।

झंडों पर क्या विवाद?

मुलाकात के दौरान झंडों का स्थान एक कूटनीतिक चुनौती बन सकता है। चूंकि भारत तालिबान को आधिकारिक मान्यता नहीं देता है। इसलिए अधिकारियों को यह तय करना होगा कि बैठक में कौन सा झंडा दिखाया जाएगा या फिर झंडे ही नहीं दिखाए जाएंगे। ये गौर करने वाली बात होगी कि जब बैठक होगी तो कौन-सा झंडा बैकग्राउंड में देखने को मिलेगा। काबुल और दुबई में पूर्व बैठक में भी झंडों को लेकर कोई समझौता नहीं हुआ था।

संयुक्त राष्ट्र की मंजूरी और यात्रा अवधि

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की प्रतिबंध समिति ने मुत्तकी को 9 से 16 अक्टूबर के बीच भारत यात्रा की अनुमति दी। अधिकारियों के अनुसार, यह यात्रा पहले से तय योजनाओं के लिए मील का पत्थर साबित होगी, जो प्रतिबंधों के कारण स्थगित हो गई थीं।

भारत-तालिबान संबंध का इतिहास और आज

भारत और तालिबान ने मानवीय और डिवेलपमेंट के जरिए अपने संबंध मजबूत किए हैं। इस महीने की शुरूआत में जयशंकर ने मुत्तकी से अफगानिस्तान में हाल के भूकंप पर संवेदना व्यक्त की और राहत सहायता भी भेजी थी। भारत ने तालिबान-शासित अफगानिस्तान को आधिकारिक मान्यता नहीं दी है, इसलिए दूतावास में अभी भी इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ अफगानिस्तान का झंडा फहराया जाता है।

बैकडोर डिप्लोमेसी का महत्व

2021 में अमेरिका के अफगानिस्तान छोड़ने और तालिबान के सत्ता में लौटने के बाद भारत ने काबुल में अपना दूतावास बंद कर दिया था। तब से औपचारिक संबंध

बाहरी जिले से धान की आपूर्ती रोकने पर पूरनपुर में किसानों पर फायरिंग

ब्यूरो रिपोर्ट नवल किशोर शर्मा

पीलीभीतः पूरनपुर में धान की ट्रॉली रोकने पर किसान नेता रंजीत सिंह पर फायरिंग, तीन राउंड चली गोली

थाना सेहरामऊ के गढ़वा खेड़ा चौकी के पास बाहर से आ रही धान की ट्रॉली रोकते समय भाकियू चढ़ूनी के जिलाध्यक्ष रंजीत सिंह कहलो पर तीन राउंड फायरिंग की गई। गोली लगने के बाद वे गंभीर रूप से घायल हो गए हैं और उनका इलाज उलड में

चल रहा है। गोली मारने के बाद आरोपी फरार हो गए हैं। किसानों का आरोप है कि इस फायरिंग में मंडी अधिकारी और राइस मिलर की साजिश है, जो बाहरी जिले से आ रही ट्रॉली को रोकना नहीं चाहते। इससे इलाके में भारी आक्रोश पैदा हो गया है। भारतीय किसान यूनियन के जिला उपाध्यक्ष ओमप्रकाश राजपूत ने थाने में दरोगा मनोज कुमार गोतम द्वारा भ्रष्टाचार और अवैध गतिविधियों के संबंध में शिकायत भी दर्ज कराई है।

क्या अब प्रशासन इस मामले में सख्त कार्रवाई करेगा?

किसान नेताओं की सुरक्षा के लिए और कदम उठाने चाहिए?

तेज रफ्तार ट्रैक्टर ट्रॉली की टक्कर से महिला की मौत, एक अन्य गंभीर रूप से घायल

पीलीभीतःथाना सेहरामऊ क्षेत्र के गांव मनहरिया रोड पर ट्रैक्टर ट्रॉली ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी।

हादसे में मनीषा कुशवाहा (28)की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। साथ ही बाइक पर सवार एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया,जिसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया।

हादसा मातादीन की दुकान के

सामने हुआ,जहां पुलिस ने तुरंत पहुंचकर ट्रैक्टर को कब्जे में ले लिया। मृतका के परिवार वालों आरोपी पर ट्रॉली छुपाने का भी आरोप है।पुलिस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है और घायलों की हालत पर लगातार नजर रखे हुए है।

एसे हादसों से बचाव के लिए जरूरी है कि ट्रैक्टर ट्रॉली की कड़ी जांच की जाए, और चालक पर सख्त कार्रवाई हो ताकि राहगीरों की जान सुरक्षित रहे।

फोर व्हीलर नहीं मिलने पर पति ने पत्नी को बेरहमी से पीटा, पुलिस पर रिश्वत के गंभीर आरोप

पीलीभीतः शादी के बाद पति द्वारा फोर व्हीलर गाड़ी की मांग न पूरी करने से नाराजगी के चलते पत्नी को जमकर पीटा गया। पीड़िता ने बताया कि उसने कई बार अपने मायके से पैसे लेकर पति को दिए, लेकिन फिर भी पति ने उसकी मांग पूरी नहीं की। जब महिला ने इस बात पर सवाल उठाए तो पति ने उसे मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया।

इस दर्दनाक घटना के बाद पीड़िता ने थाने में एफआईआर दर्ज कराई, लेकिन पुलिस पर आरोपी से रिश्वत लेकर मामले को दबाने के आरोप लगे हैं। पुलिस शिकायत के

बावजूद कोई उचित कार्रवाई नहीं कर रही है, जिससे पीड़िता न्याय की आस लेकर भटक रही है।

पीड़िता ने अधिकारियों से गुहार लगाई है कि उनका न्याय दिलाया जाए और आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो। साथ ही महिला सुरक्षा के लिए प्रशासन से विशेष सुरक्षा उपाय करने की भी मांग की गई है।

घरेलू हिंसा के मामलों में कानून का सही क्रियान्वयन और पुलिस की सक्रिय भूमिका महिलाओं के लिए सुरक्षा की पहली सार्थक सीढ़ी है। इस मामले में तत्काल कदम उठाना बेहद जरूरी है ताकि पीड़िता को न्याय मिले और समाज में महिलाओं को अपराधियों से सुरक्षा का भरोसा बना रहे।

घरेलू हिंसा के मामलों में पुलिस प्रशासन पूरी मजबूती से काम करता है?